भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित

RNI-MPHIN/2016/71355

राष्ट्रवादी विचार धारा

जय खेड़ापति सरकार

दैनिक

# नवनीत एक्सप्रेस

भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झॉसी (मध्य प्रदेश. उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित

संपादकः महेन्द्र तिवारी

न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

वर्ष : 10 अंकः 249 | भोपाल,शुक्रवार 27 जून 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

# लोकतंत्र हमारी जीवन शैली की है आत्मा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग

**लोकतंत्र ही हमारी पहचान है**

**70 साल से अधिक आयु के लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क इलाज और आवश्यकता अनुसार एम्बुलेंस सेवा की सुविधा भी दी जाएगी**

**कर्नाटक के राज्यपाल श्री गेहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री सोलंकी,मंत्री श्री सिलावट, हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री कड़ेल ताम्रपत्र से हुए सम्मानित**

**मुख्यमंत्री निवास पर हुआ लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन**

**भोपाल,एजेंसी।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय जनमानस में पुराकाल से रचा-बसा है और इसकी जड़ें हमारी परंपराओं में गहराई तक फैली हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती में लोकतंत्र सेनानियों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हमारा वर्तमान लोकतंत्र उनके अनथक संघर्ष और बलिदान का ही परिणाम है। आज हम एक मजबूत और जवाबदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इसके मूल में लोकतंत्र सेनानी ही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र शासन को जवाबदेह बनाता है, नागरिकों को अधिकार देता है और प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। लोकतांत्रिक प्रणाली ही हमारी विविधता में एकता को बनाए रखने का आधार है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी का आह्वान किया कि लोकतंत्र की इस पीएम एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। प्रदेशवासियों के जीवन में उजाला लाने के लिए सरकार नित नई योजनाएं लेकर आ रही हैं। पात्र होने पर लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को भी इन सभी शासकीय योजनाओं में प्राथमिकता के अनुरूप लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों और उनके

विरासत को आगे बढ़ाना हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। दुनिया हमारी ओर हैरत से देखती है कि यहां लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। भारत देश सच्चे अर्थों में लोकतंत्र का जनक है। उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली विरोधी ताकतों से मिलकर लड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के हित में घोषणा करते हुए कहा कि अब 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क इलाज और आवश्यकता पड़ने पर

परिजन के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं रखेगी।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत एवं अन्य अतिथियों ने %मीसा पत्रिका% और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आपातकाल के दौरान लिखे गए पत्रों, विचारों, आलेखों से जुड़े संस्मरणों पर आधारित एक %इमरजेंसी डायरी% का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्नाटक के राज्यपाल श्री गहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक कड़ेल को लोकतंत्र सेनानी होने के सम्मान स्वरूप ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभारी मंत्री अपने-अपने प्रभार के जिलों में सभी लोकतंत्र सेनानियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया है। आज 26 जून को लोकतंत्र सेनानी प्रादेशिक सम्मेलन हो रहा है। आपातकाल के दौर में लोकतंत्र सेनानियों की क्या चुनौतियां थी, ये मुझे बचपन में समझने का मौका मिला। एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री ने अपना शासन बरकरार रखने के लिए देश पर आपातकाल लगा दिया था। उस आपातकाल की देश ने बड़ी कीमत चुकाई।

# उद्योग, रोजगार का नया हब बनेगा ग्वालियर-चंबलः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**मध्यप्रदेश में 24 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट प्रारंभ : केन्द्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव**

**ग्वालियर को नई रेल सेवा बड़ी सौगात : केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया**

**ग्वालियर से बैंगलोर के लिये नई रेल सेवा का हुआ शुभारंभ**

**भोपाल,एजेंसी।**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर-चंबल अंचल को एक बड़ी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। अब अंचल के लोग ग्वालियर से ट्रेन द्वारा सीधे बैंगलोर पहुँच सकेंगे। युवाओं के लिये यह विशेष तौर पर तोहफा है। साप्ताहिक ग्वालियर-बैंगलोर ट्रेन सुविधा से आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर से गुरुवार को ग्वालियर से बैंगलोर नई ट्रेन सुविधा का वर्चुअल शुभारंभ किया। कार्यक्रम से केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव भी वर्चुअली जुड़े। ग्वालियर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार से मध्यप्रदेश को रेल सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक सौगातें मिली हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने रेलवे के क्षेत्र में विकास के कई आयाम छुए हैं। प्रदेश के लगभग 80 रेलवे स्टेशनों जिसमें ग्वालियर भी शामिल है, का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

# शुभांशु 28 घंटे का सफर पूरा कर पहुंचे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

## आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय

**फ्लोरिडा, एजेंसी।**

भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है! दरअसल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। 28 घंटे का लंबा अंतरिक्ष सफर पूरा करने के बाद, 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे शुभांशु और उनके तीन विदेशी साथी आईएसएस पर पहुंच गए हैं।

जानकारी अनुसार इस सफर के पूरा होने के साथ ही करीब दो घंटे बाद, यानी शाम 6 बजे स्पेस स्टेशन का हैच खुला और सभी अंतरिक्ष यात्री उसके अंदर दाखिल हुए। शुभांशु अगले 14 दिन आईएसएस में रहते हुए विज्ञान, स्वास्थ्य और माइक्रोग्रैविटी से जुड़े विभिन्न शोध करेंगे।

**1984 के बाद दूसरी ऐतिहासिक उड़ान**

शुभांशु शुक्ला से पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत स्पेस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय, लेकिन आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस!

उड़ान के बाद लाइव संवाद में शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं - कैसे चलना है, कैसे खाना है। जब रॉकेट लॉन्च हुआ, तो लगा जैसे सीट में पीछे धकेले जा रहे हों। फिर एकाएक सब शांत हो गया। बेल्ट खोलते ही हम वैक्यूम की शांति में तैरने लगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक उपलब्धि है और इस सफलता के लिए उन्होंने अपने परिवार, वैज्ञानिकों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया।

## आज से शुरु हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा, 8 जुलाई तक चलेगी

**-भगवान जगन्नाथ, भाई और बहन के साथ मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे**

**पुरी, एजेंसी।** ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 27 जून यानी शुक्रवार से होगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी। जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह यात्रा का कार्यक्रम 12 दिन का है। रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। पंचांग के मुताबिक जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से होती है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 मिनट से लेकर 27 जून को 11:19 मिनट तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी।

# यूएनएससी की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

## कहा-कुछ तो शर्म करो

**जिनेवा, एजेंसी।** भारत ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पाकिस्तान की झूठी बयानबाजी और आतंक के समर्थन को बेनकाब करते हुए कड़ा जवाब दिया। यूएनएससी यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान की बखिया उधेड़ी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले, सीमा पार आतंकवाद, और अफगान बच्चों की हत्या जैसे गंभीर मुद्दों का हवाला देते हुए भारत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का पनाहगाह करार दिया। भारत ने कहा कि पाक को शर्म भी नहीं आती। उसे तो अब दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

यूएनएससी में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथनेनी हरिश ने आतंकवाद पर पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई। यूएनएससी में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथनेनी हरिश ने कहा, 'पाकिस्तान यूएनएससी की प्रक्रियाओं को बार-बार बाधित कर अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। हम उसके उन प्रयासों को खारिज करते हैं, जिनके जरिए वह अपने देश में बच्चों पर हो रहे अत्याचारों से ध्यान हटाना चाहता है।' भारत ने जोर देते हुए कहा कि यूएन महासचिव की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में स्कूलों, खासकर लड़कियों के स्कूलों, और स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले किए गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अफगान सीमा से लगे इलाकों में पाकिस्तानी सेना की ओर की गई गोलाबारी में कई अफगान बच्चों की मौत और विकलांगता हुई।

# MSME दिवस पर योगी आज करेंगे कई योजनाओं का शुभारंभ

**युवाओं के लिए होंगी घोषणाएं**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय भव्य समारोह में कई बड़ी घोषणाएं और लोकार्पण करेंगे। रोजगार, उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने वाली योजनाओं को गति देने वाले इस कार्यक्रम में युवाओं और कारीगरों को विशेष लाभ मिलेगा।

लोकभवन सभागार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सीएम-युवा मोबाइल ऐप का बटन दबाकर शुभारंभ किया जाएगा।

यह युवाओं के लिए रोजगार, परामर्श और उद्यमिता से जुड़ी सुविधाएं प्रदान करने का माध्यम बनेगा।

# हिंदी भाषा को लेकर शाह बोले- हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र

**भाषा राष्ट्र की आत्मा और हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र भाषा है। उन्होंने भारतीय भाषाओं और हिंदी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है।

समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा, कि हम किसी भी भाषा के विरोध में नहीं हैं और न ही किसी विदेशी भाषा से ही हमारा बैर होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के महिमामंडन का होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक व्यक्ति अपनी भाषा में सोचने, बोलने और उस पर गर्व करने की मानसिकता नहीं अपनाता, तब तक वह गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने युवाओं और भावी पीढ़ियों को अपनी भाषा में सोचने और अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना चाहिए।

**सीजफायर के बाद गरजे खामनेई**

# इजराइल पर जीत दज की है और अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा

**ट्रंप को लगा कि इजराइल तबाह हो जाएगा**

**तेहरान एजेंसी।**

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने सीजफायर के बाद गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देकर दावा किया कि उनके देश ने इजराइल पर जीत दर्ज की है और अमेरिका को भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान ने जंग में अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है। खामनेई ने यह टिप्पणी युद्धविराम की घोषणा के बाद की, जो अमेरिकी मध्यस्थता से लागू हुआ था।

अपने वीडियो संदेश में खामनेई ने कहा, इस्लामी गणराज्य विजयी रहा और बदले में अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उनका यह बयान उन खबरों के बाद आया जिसमें कहा गया था कि ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई।

खामनेई ने कहा कि अमेरिका ने केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि ट्रंप को लगा कि अगर अमेरिका ने हस्तक्षेप नहीं किया, तब जायोनिस्ट शासन (इजराइल) पूरी तरह तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ।

**खामेनेई गुप्त स्थान पर थे!**

दरअसल सुप्रीम लीडर खामेनेई 13 जून को युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए थे। युद्ध की शुरुआत इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों और शीर्ष सैन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों पर हमले के साथ हुई थी। इसके बाद से बताया गया कि खामेनेई एक गुप्त स्थान पर थे। 19 जून को उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया था, लेकिन वह उनके बंकर से ही रिकॉर्ड हुआ था। अब गुरुवार को उन्होंने एक और वीडियो संदेश जारी किया, जिसकी पहले से घोषणा ईरानी सरकारी चैनल और उनके सोशल मीडिया पेजों पर हुई थी। वीडियो में उन्होंने इजराइल पर जीत के लिए अपने नागरिकों को बधाई देकर कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है जिसमें इस्लामी गणराज्य ने अपने दुश्मनों को साफ संदेश दिया है।

# उफनती अलकनंदा नदी में गिरी बस, 10 लोग हुए लापता

**रुद्रप्रयाग एजेंसी।** जिले के घोलतीर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। उफनती अलकनंदा नदी में एक पूरी बस समा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा बद्रिनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे को लेकर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने कहा कि दुर्घटना ग्रस्त गाड़ी के टेम्पो ट्रैवलर होने की संभावना है। गाड़ी यात्रियों को लेकर जा रही थी। मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। पांच से सात लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि एक बॉडी रिकवर कर ली गई है। अस्पताल में भर्ती टैंपो ट्रैवलर के ड्राइवर सुमित ने पूरे हादसे की जानकारी दी है। उसने बताया कि बस केदारनाथ से बद्रीनाथ जा रही थी। इसी दौरान ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे टैंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होते हुए नदी में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लापता लोगों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

## ब्रीफ न्यूज

### भोपाल में स्कूल बसों पर आरटीओ की कार्रवाई

**भोपाल।** स्कूल बसों की अनियमितताओं को लेकर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड पर विशेष चेकिंग अभियान के दौरान माउंट कार्मल और केएम कॉन्वेंट स्कूल समेत कई स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट और फिटनेस के दौड़ रही 5 बसें जब्त की गई। ये सभी वाहन जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़े कर दिए गए हैं। इसके अलावा तीन अन्य बसों से बिना छात्र और चालक के पास वैध लाइसेंस न होने पर 25,000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। आरटीओ अमले ने मौके पर ही दस्तावेजों की बारीकी से जांच की और जिन वाहनों में भारी खामियां पाई गई, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने इस संबंध में कहा, बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी स्कूल बसों के दस्तावेज जैसे फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट और बीमा की अनदेखी गंभीर अपराध है। यह सीधे तौर पर बच्चों की जान से खिलवाड़ है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### आज भोपाल में होगा मीसाबंदियों का सम्मान

**भोपाल।** इंदिरा सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बीजेपी ने कल प्रदेश भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया। आज (गुरुवार) सीएम हाउस में मप्र के 700 मीसाबंदियों का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सम्मान करेंगे। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक और प्रदेश भर से मीसाबंदी शामिल होंगे। सीएम हाउस में होने वाले कार्यक्रम में पूरे मप्र से 700 मीसाबंदी अपने परिवारजनों के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद सीएम मीसाबंदियों के परिवार के साथ भोजन भी करेंगे। भौमिक ने कहा कि बाकी मीसाबंदियों को प्रभारी मंत्री जिलों में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर ताम्र पत्र भेंट करेंगे। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बुधवार को भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीसाबंदियों का सम्मान किया था।

### एएसआई लिखा-पढ़ी करता रहा..

**ब्यावरा।** मप्र सरकार सड़क हादसे में घायल को 'गोल्डन आवर' में अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए प्रोत्साहन देती है, ताकि वक्त पर इलाज से जान बच सके। लेकिन मंगलवार को ब्यावरा के कुरावर में खुद पुलिस ने 'गोल्डन आवर' को ताक पर रख दिया। दरअसल, तलेन स्टेट हाइवे पर दो बाइकों की भिड़ंत में 4 युवक घायल हुए। इनमें गोविंद मालवीय (25) और मनीष मालवीय (23) की हालत गंभीर थी। घटना के बाद एक घायल युवक बार-बार एएसआई प्रसादीलाल से गुहार लगाता रहा- हमें हॉस्पिटल में एडमिट करवा दो, मैं मर जाऊंगा नहीं तो। लेकिन एएसआई कागजों में उलझे रहे। करीब 15 मिनट बाद डायल-100 से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन देरी के चलते दोनों को भोपाल रेफर करना पड़ा। टीआई बोलीं- एंबुलेंस देर से आई- टीआई संगीता शर्मा ने देरी की वजह एंबुलेंस के देर से पहुंचने को बताया। बुधवार को इस घटना का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें घायल मदद की गुहार लगाता दिखा।

### इंदौर में सुबह से बादल छाए, बारिश के आसार

**इंदौर।** इंदौर में आज सुबह से बादल छाए हुए है। मौसम वैज्ञानिकों ने बारिश के आसार जताए हैं। इससे पहले, बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे। सुबह 11 बजे से शाम तक मौसम ऐसा ही रहा। इस दौरान कहीं रिमझिम तो कहीं हल्की बारिश हुई। वहीं, दिन का तापमान 29.5 (-4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4 डिग्री कम है। रात का तापमान 23.2 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य है। इस जून यह चौथी बार है कि रात का तापमान सामान्य पर है। हालांकि 24 घंटों में सिर्फ 4.5 मिमी बारिश ही दर्ज हुई है, लेकिन मौसम ठंडा रहा। जून में इस बार 25 दिनों में से 16 दिन बारिश जरूर हुई लेकिन दिनभर में बहुत ही कम यानी 10 मिमी से भी कम। सिर्फ दो बार ऐसी स्थिति बनी, जब दिनभर में सिर्फ आधा-आधा इंच बारिश हुई। इसके चलते इस बार जून में अभी तक 2 इंच बारिश हुई है जबकि जून का कोटा 5 इंच का है। अब जून खत्म होने में 5 दिन बाकी हैं और कोटा पूरा करने के लिए 3 इंच बारिश की जरूरत है। मौसम विभाग के

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण

## समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल स्थापित करती है मध्यस्थता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर संवाददाता

**भोपाल।** हमारे देश की प्राचीन सोच को नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता वर्तमान समय की मांग हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर के पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यस्थता से न केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता की सोच को मध्यप्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द का माहौल बन सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक तानेबाने के सुचारू संचालन के लिए जरूरी है कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती बनी रहे। उन्होंने इंदौर पुलिस कमिश्नरेट, जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि यह पुण्य कार्य सराहनीय मॉडल है।

पुलिस कमिश्नरेट इन्दौर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में नवनिर्मित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस श्री संजीव सचदेवा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस श्री विवेक रूसिया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं इंदौर के मध्यस्थ उपस्थित रहें।

**मध्यस्थता समझौता कराने के साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत बनाती है :-**

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति श्री संजीव सचदेवा ने कहा कि मध्यस्थता विवादों में समझौता कराने के साथ साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत करने का भी कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में इसे मीडिएशन की संज्ञा दी गई है, जबकि भारत में वर्षों से पंच सरपंचों द्वारा विवादों के मामले में समझौता किया जा रहा है।

**22 मध्यस्थता केन्द्र में 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों का सुलझाया गया :-**

प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर श्री विवेक रूसिया ने बताया कि इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 27 विभिन्न सामाजिक समूहों के 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों को सुलझाया गया। उन्होंने बताया कि इंदौर देश का एकमात्र शहर है जहां कलेक्टर कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय में मध्यस्थता केंद्र स्थापित हैं। कमिश्नर कार्यालय में पिछले 4 माह से ट्रायल के आधार पर मध्यस्थता केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम आने पर आज मूर्त रूप देकर इसका लोकार्पण किया गया हैं।

**सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट :-**

कार्यक्रम के अंत में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सम्मानस्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

## पीएससी आने वाले महीनों में भरेगी 5562 पद

# डेढ़ साल में 3756 पदों पर दीं नियुक्ति, 72 डिप्टी कलेक्टर, 51 डीएसपी के पद भरे

नगर संवाददाता

**भोपाल।** मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग आने वाले महीनों में 5562 पदों पर भर्ती करेगा। इनमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, लाइब्रेरियन, स्पोर्ट्स अफसर, माइनिंग अफसर, सहायक प्राध्यापक, मेडिकल स्पेशलिस्ट, मेडिकल आफिसर, यूनानी और आयुर्वेदिक चिकित्सा के विभिन्न पद शामिल हैं। इसके विज्ञापन जारी हो चुके हैं और आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग पिछले डेढ़ साल में 3 हजार 756 पदों पर भर्ती कर चुका है। इस दौरान तीन राज्य सेवा परीक्षा आयोजित कर उसके परिणाम घोषित किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में पीएससी के जरिये नियुक्तियां देने का काम तेजी से चल रहा है। इस अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए सिफारिश की गई। पीएससी चेयरमैन डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि दिसंबर 2023 से अब तक जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के लिए 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा पत्र भेजे गए हैं। लोक

सेवा आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। इनके माध्यम से आगामी महीनों में 5 हजार 562 पद भरे जाएंगे। पीएससी से वर्तमान में 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं। आयोग जारी किए गए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

**इन पदों के लिए हुई इतनी नियुक्तियां :-**

आयोग के सचिव प्रबल सिपाहा ने बताया कि आयोग ने डेढ़ साल में 3 राज्य सेवा परीक्षा - 2019, 2021, 2022 के लिए 1109 पदों और 3 राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए 200 पदों के लिए अंतिम चयन परिणाम घोषित किए। इस अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए सिफारिश की गई। परीक्षा के माध्यम से सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग के 132 पदों तथा मप्र वित्त सेवा के 22 पदों के लिए भी स्कूल शिक्षा एवं वित्त विभाग को अनुशंसा की गई। राज्य वन सेवा परीक्षा के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक के 19 तथा वन क्षेत्रपाल एवं परियोजना क्षेत्र अधिकारी के 181 पदों के लिए वन विभाग को अनुशंसा पत्र भेजे गए।

### इंदौर में बैंक के अंदर 4 लाख की ठगी

नगर संवाददाता

**इंदौर।** इंदौर के एक प्रिंटिंग प्रेस संचालक के साथ बैंक के भीतर ही 4 लाख रुपए की ठगी हो गई। चेक ड्रॉप बॉक्स में डालने के बाद अज्ञात आरोपी ने बैंक कर्मचारी की मदद से चेक हासिल किया, उसमें करेक्शन कर 'सेल्फ' भुगतान लिखा और फर्जी आईडी लगाकर बैंक से रकम निकाल ली। मल्हारगंज पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। मल्हारगंज थाना पुलिस के अनुसार, शिकायत ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी नियाज पुत्र सईद अहमद ने की है, जो 'शगुन प्रिंटिंग' के नाम से प्रिंटिंग का व्यवसाय करते हैं। नियाज ने बताया कि उन्हें व्यापारिक लेन-देन के तहत आजाद हुसैन द्वारा बैंक ऑफ इंडिया (गांधी नगर शाखा) का एक अकाउंट पे चेक प्राप्त हुआ था। 10 जून को उन्होंने यह चेक केनरा बैंक (संभावित मल्हारगंज शाखा) के ड्रॉप बॉक्स में जमा किया। दो दिन बीतने के बाद भी जब चेक क्लीयर नहीं हुआ, तो 12 जून को नियाज खुद केनरा बैंक पहुंचे।

## नशीला जूस पिलाकर पूल पार्टी में नाबालिग से रेप

# भोपाल में महिला मैनेजर ने दो दिन दोस्तों से दुष्कर्म कराया; पीड़िता बोली-इत्र लगाकर जबरदस्ती की

नगर संवाददाता

**भोपाल।** भोपाल में नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आया है। जांच में सामने आया है कि पीड़िता को जान-पहचान की एक युवती ने पहले बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर बुलाया और वहां उसे युवकों के हवाले कर दिया। आरोप है कि महिला ने अगले दिन एक फार्महाउस में पूल पार्टी में ले जाकर पीड़िता को जूस में मिलाकर नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद वहां भी उसका यौन शोषण हुआ। इस मामले में दो महिलाओं समेत सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 19 जून को दीदी (इवेंट मैनेजर रिया उर्फ रितु यादव) ने मुझे बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर करोंद बुलाया। जब मैं वहां पहुंची, तो जहांगीराबाद निवासी हनीफ शाह पहले से मौजूद था। उसने जोर-जबरदस्ती कर मेरे शरीर पर इत्र लगाया। 20 जून को रिया मुझे खजूरी सड़क इलाके के एक फार्महाउस 'चाइस विला' ले गई। वहां पूल पार्टी चल रही थी। यहां रिया ने मुझे जूस में शराब मिलाकर पिलाई। थोड़ी देर बाद मुझे पेट दर्द और उल्टी हुई, तो रिया दीदी ने एक कमरे में सुला दिया। रात में जब आंख खुली, तो मेरे आधे कपड़े उतरे हुए थे। रिया कमरे में अपनी दोस्त माही के साथ बैठी थी। बाद में घर लौटने पर रिया ने मुझे बताया कि मुकेश बालचंदानी (एमके सर) ने मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। जब मैंने घर जाने की बात की, तो रिया ने मारपीट की और मुझे घर नहीं जाने दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 21 जून को जब रिया ब्यूटी पार्लर गई, तो मैंने मौका देखकर अपनी मां को इंस्टाग्राम पर कॉल किया। मां फौरन पुलिस को लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची और मुझे छुड़ाया। मामले में पुलिस रिया, मुकेश, हनीफ और एक अन्य को गिरफ्तार कर चुकी

### 3 दिन में तीसरी बार शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

नगर संवाददाता

**भोपाल।** रानी कमलापति से नई दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन (12001) में फिर पथराव हुआ है। बुधवार शाम 6 से 6.30 के बीच बीना और झांसी के बीच ट्रेन पर हुए पथराव में ई-6 कोच की खिड़की का ग्लास पूरी तरह चटक गया। इस दौरान घटना में किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची, लेकिन ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई। बीते 3 दिन में तीसरी बार शताब्दी एक्सप्रेस में पत्थरबाजी की घटना हुई है। इसी ट्रेन पर मुरैना में भी पथराव हुआ है। मुरैना स्टेशन से गाड़ी आगे बढ़ते ही ई-6 कोच के कांच में पत्थर आकर लगा। हमले के बाद झांसी रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि %फिलहाल हमारे पास कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच की जाएगी। वहीं, रेल यात्रियों का कहना है कि लगातार हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं से अब ट्रेन में बैठने में डर लगने लगा है। रविवार रात को भी ग्वालियर के बिरला नगर और रायरू स्टेशन के बीच शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव किया गया था। इस दौरान ई-5 कोच की खिड़की टूटी। घटना में गोविंदपुर निवासी रेलशिया श्रीवास्तव नाम की महिला यात्री बाल-बाल बचीं।

## निगमकर्मी के सामने छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या

# भोपाल में विवाद में बीचबचाव करने पहुंचा था; लड़की को लेकर भिड़े थे दो गुट

नगर संवाददाता

**भोपाल।** भोपाल के कोलार में नगर निगम के फायरकर्मी के सामने उसके छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना एक रेस्टोरेंट के पास बुधवार रात 10 से 11 बजे के बीच हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरकर्मी सूरज मोरे और उसका दोस्त आशीष रेस्टोरेंट में बैठकर चाय पी रहे थे। वहां आशीष का किसी लड़की को लेकर कुछ युवकों से विवाद हो गया। मामला बढ़ा तो आशीष ने सूरज से मदद मांगी। सूरज ने अपने छोटे भाई आकाश (23) को कॉल कर बुला लिया। दूसरे

पक्ष ने भी अपने साथियों को बुलाया। इसके बाद दोनों ओर से चाकूबाजी की गई। चाकूबाजी में आकाश और दूसरे गुट का एक युवक जख्मी हो गए। आकाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे युवक की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि मामले में अवध राठौड़ और तरुण कुशवाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दोनों की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में लोग कोलार थाने पहुंच गए और देर रात तक थाने का घेराव कर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसर मौके पर पहुंचे और भीड़ को शांत कराया। आरोपी फरार हैं। बताया जा रहा है कि दोनों गुटों में लड़की को लेकर विवाद था। समाज के वरिष्ठ ने चाय की दुकान पर दोनों गुटों को समझौते के लिए बुलाया था। पंचायत में विवाद का हल तलाशने की बात चल रही थी। तभी वारदात हो गई। रतलाम में 5 जून की रात 17 साल के लड़के की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उसके शरीर पर 15 घाव मिले थे। जहां वारदात हुई वहां से पुलिस थाना महज 500 मीटर दूर पर थी। मृतक के दोस्त ने बताया कि वह विशाल रोतिया के साथ बाइक पर जा रहा था। इस दौरान दो बत्ती पेट्रोल पंप के पास देवेंद्र उर्फ कालू मालवीय (21) और अभय राजपुरोहित (21) ने रोक लिया। अभी, विशाल से किसी लड़की से बात करने को लेकर विवाद करने लगा। तभी कालू ने विशाल पर चाकू से वार कर दिया।

## नए पदोन्नति नियमों को लेकर जीएडी आज करेगा मीटिंग

# मंत्रालय में सामान्य, ओबीसी, पिछड़ा वर्ग अधिकारी-कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

नगर संवाददाता

**भोपाल।** नए पदोन्नति नियमों को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) आज सभी विभागों के साथ बैठक करेगा। इस बैठक में जीएडी अफसर पदोन्नति नियमों के मुताबिक विभागों की विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन कर पहली बैठक जल्द से जल्द बुलाए जाने के निर्देश देंगे। दूसरी ओर नए पदोन्नति नियमों के विरोध में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आज मंत्रालय में लंच के दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ ने मुख्य सचिव, एसीएस जीएडी और मंत्रालय के सुरक्षा अधिकारी को आंदोलन का नोटिस पहले ही दे दिया है। 19 जून को लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025

का राजपत्र में प्रकाशन करने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने नए पदोन्नति नियमों को लेकर सभी विभागीय अफसरों की मीटिंग बुलाई है। जीएडी द्वारा बुलाई गई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहेंगे। मोहन कैबिनेट द्वारा लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी 17 जून को दी गई। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके नियम जारी किए हैं। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव जीएडी के अलावा सभी ?विभागों के एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिव शामिल होंगे। सुबह 10.30 बजे से होने वाली बैठक के लिए सभी विभागों के अफसरों को विभागीय तैयारियों के साथ आने के लिए कहा गया है। इस बैठक में विभागों के अफसरों को पदोन्नति नियमों के संबंध में अफसरों के सामने आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए भी राय दी जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पदोन्नति नियम जारी करने के बाद विभागीय पदोन्नति समिति के गठन पर सबसे पहला फोकस है। इसलिए बैठक में आने के पहले हर्ड विभागों के अफसर पदोन्नति समिति के गठन की प्रक्रिया पूरी करके आ सकते हैं ताकि चीफ सेक्रेटरी को प्रोग्रेस से अवगत कराया जा सके। इसमें एससी-एसटी वर्ग के कम से कम एक अफसर की अनिवार्यता तय की गई है। दूसरी ओर जीएडी अफसरों ने कहा है कि विभाग जून माह में डीपीसी मीटिंग बुलाकर मंत्रालय सेवा और राज्य से राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के पदों के लिए डीपीसी कर सकता है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने बताया कि पदोन्नति नियमों में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों की अनदेखी किए जाने के कारण कर्मचारियों अधिकारियों में विरोध गहराता जा रहा है। इसी तारतम्य में मंत्रालय में मंगलवार को सामान्य, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों की एक मीटिंग हुई जिसमें गुरुवार को गेट नम्बर एक के सामने प्रदर्शन कर पदोन्नति नियमों का विरोध करने का फैसला किया गया।

### भोपाल में जो बिल्डिंग गिरी, वह 10 साल पहले जर्जर घोषित

नगर संवाददाता

**भोपाल।** भोपाल के टीटी नगर में जिस बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 32 साल के युवक की मौत हुई, वह करीब 10 साल पहले ही जर्जर घोषित हो चुकी है और इन्हें खाली भी कराया जा चुका है। बावजूद इनमें अब भी लगभग 200 परिवार अवैध तरीके से रह रहे हैं। हादसा होने के बाद जिला प्रशासन बिल्डिंग से अवैध कब्जा हटवाकर इन्हें जमींदोज करेगा। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया कि इस बारे में संपदा विभाग के अधिकारियों से बात भी हुई है। जल्द ही बिल्डिंग गिराई जाएगी। जिस बिल्डिंग गिरने से युवक की मौत हुई, उसे हादसे के तुरंत बाद ही ढहा दिया गया है। क्षेत्र के पार्षद जगदीश यादव ने बताया कि ओल्ड एमएलए, क्वार्टर के पीछे ही 50 से 60 साल पुराने जर्जर मकान है। जिन्हें 10 साल पहले खाली करा लिया गया था। यह इलाका सुनसान रहता है। इस से अवैध गतिविधियां होती हैं। 200 से अधिक परिवार अवैध तरीके से रह रहे हैं। कइयों ने तो मकान पर कब्जा करके किराए पर दे रखा है।

## नई रेल से छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

# ग्वालियर से बैंगलोर के लिये नई रेल सेवा का शुभारंभ

## ग्वालियर अब जुड़ रहा है दक्षिण से, नई रेल सेवा बड़ी सौगात: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

**ग्वालियर।नगर संवाददाता**

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल अंचल को भारत सरकार के माध्यम से एक बड़ी रेल सुविधा उपलब्ध हुई है। अंचल के लोग अब ग्वालियर से सीधे बैंगलोर रेल मार्ग से पहुँच सकेंगे। युवाओं के लिये यह विशेष तौर पर तोहफा है। साप्ताहिक ग्वालियर बैंगलोर रेल सुविधा से आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को ग्वालियर से बैंगलोर के लिये प्रारंभ हो रही नई रेल सुविधा के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल जुड़कर कही। कार्यक्रम में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी वर्चुअली जुड़े। ग्वालियर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर उपस्थित थे। ग्वालियर स्टेशन से केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एवं ऊर्जा मंत्री तोमर हरी झण्डी दिखाकर नई रेल से शिवपुरी गये।। कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल के लिये ग्वालियर से बैंगलोर चलने वाली गाड़ी क्रमांक 11086/85 बड़ी सौगात है। इस रेल के शुरू होने से ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐसे युवा जो आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं उन्हें सीधे बैंगलोर पहुँचने की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। केन्द्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि केन्द्र सरकार के माध्यम से रेलवे के क्षेत्र में विकास के मामले में मध्यप्रदेश के लिये अनेक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के लिये आज ऐतिहासिक दिन है। ग्वालियर को दक्षिण से जोड़ने के लिये नई रेल

सुविधा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वीकृत की है। इसके प्रारंभ होने से ग्वालियर-चंबल संभाग के हजारों हजार लोगों को अब सीधे बैंगलोर पहुँचने के लिये किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बैंगलोर रेलवे स्टेशन का काम महान इंजीनियर विश्वेश्वरैया के नाम पर है। यह सौभाग्य की बात है कि ग्वालियर की प्यास बुझाने वाले तिघरा डैम की डिजाइन भी स्टेट समय में महान इंजीनियर विश्वेश्वरैया ने तैयार की थी। उनके द्वारा तैयार किया गया डैम आज भी ग्वालियरवासियों की प्यास बुझा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर को आज केन्द्र सरकार के माध्यम से बड़ी सौगात मिली है। मध्यप्रदेश में 80 रेलवे स्टेशनों के जीर्णोद्धार कार्य में ग्वालियर का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। 482 करोड़ रूपए की लागत से ग्वालियर रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण होने पर ग्वालियर-अंचल में एक व्यवस्थित और भव्य रेलवे स्टेशन भी हम सबको उपलब्ध होगा। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि ग्वालियर से इटावा के लिये भी नई रेल सुविधायें उपलब्ध कराने का कार्य किया जाना चाहिए, ताकि ग्वालियर लखनऊ से सीधे जुड सके। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि रेलवे के क्षेत्र में कैलाशवासी माधवराव सिंधिया के द्वारा जो कार्य किए गए थे, उसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में ग्वालियर को एक नई सौगात मिली है। ग्वालियर में विकास की अनेक सौगातें मिली हैं। इनमें ग्वालियर का नया रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा एवं एलीवेटेड रोड शामिल हैं। क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर अंचल के निवासियों के लिये बेहतर रेल सुविधाओ का क्रम निरंतर जारी है। आने वाले दिनों में ग्वालियर को अन्य शहरों से जोड़ने के लिये भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री वैष्णव के नेतृत्व में और सुविधायें भी मिलेंगीं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद जयभान सिंह पवैया, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, रमेश अग्रवाल, रामबरन सिंह गुर्जर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

## खास खबर

### छात्रावासों में छात्र-छात्राओं को पढ़ाने हेतु शिक्षकों एवं संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर ग्वालियर जिले में संचालित अनुसूचित जाति वर्ग के उत्कृष्ट छात्रावासों बालक/कन्या छात्रावास घाटीगाँव, डबरा, भितरवार व मुरार ग्वालियर में कक्षा - 9 एवं 10 में गणित, अंग्रेजी, अर्थव्यवस्था, कम्प्यूटर एवं कक्षा-11 व 12 में गणित, अंग्रेजी, भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान के लिये अंग्रेजी विषय पढ़ाने हेतु शिक्षक/कोचिंग संस्थाओं से आवेदन पत्र 30 जून तक आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ग्वालियर में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोचिंग के लिये नियमानुसार शिक्षकों को 300 रूपए प्रति कालखंड एवं एक माह अधिकतम 20 कालखंड का मानदेय दिया जायेगा। कक्षा - 9 व 10 में कोचिंग देने वाले शिक्षकों को संबंधित विषय में ग्रेजुएशन में न्यूनतम 60 प्रतिशत तथा कक्षा-11 व 12 एवं महाविद्यालयीन के लिये संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। शिक्षक एवं कोचिंग संस्थायें रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट आवेदन के साथ संलग्न करें। आवश्यक दस्तावेज आधारकार्ड, संबंधित विषय की अंकसूची, अनुभव प्रमाण-पत्र भी आवेदन के साथ अनिवार्यतः संलग्न किए जाएं। 30 जून के पश्चात आवेदन मान्य नहीं होंगे।

### महिला पॉलीटेक्निक में रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कॉलेज लेवल काउंसिलिंग प्रारंभ

ग्वालियर शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पड़ाव, ग्वालियर में संचालित दसवीं उत्तीर्ण छात्राओं/महिलाओं हेतु तीन वर्षीय रोजगान्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों जैसे कम्प्यूटर साइंस, इंफंमेशिन टेक्नॉलोजी, आर्किटेक्चर एण्ड इंटीरियर डिजाईन, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजी, टेक्सटाईल डिजाईन, मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एवं ब्यूटी कल्चर एण्ड कॉस्मेटोलोजी में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु कॉलेज लेवल काउंसिलिंग प्रारंभ हो गई है। इच्छुक छात्राएँ दिनांक-18.06.2025 से 13.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक घर बैठे वेवबसाईट https://dte.mponline.gov.in पर जाकर या महाविद्यालय में आकर मनपसंद पाठ्यक्रम में रजिस्ट्रेशन कर सकती है। इसके पश्चात दिनांक-02.07.2025 से 13.08.2025 तक रजिस्टर्ड छात्राएँ महाविद्यालय में हर सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करवा सकेगी। प्राचार्य शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय डॉ. ए ए सिद्दीकी ने बताया कि दसवीं परीक्षा उत्तीर्ण के साथ आईटीआई उत्तीर्ण अथवा बारहवीं उत्तीर्ण छात्राओं हेतु उपरोक्त पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में लेटरल एण्ट्री के माध्यम से प्रवेश हेतु दिनांक-05.07.2025 से 13.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक उपरोक्तानुसार रजिस्ट्रेशन करना आवश्यक है।

## अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस हुआ आयोजन

# युवा नशे से दूर रहने करें अच्छी संगति: स्वामी ऋषभदेवानंद महाराज

**ग्वालियर।नगर संवाददाता**

ग्वालियर अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग जिला ग्वालियर द्वारा बाल भवन स्थित सभागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदर्श गौशाला लाल टिपारा से प्रमुख स्वामी ऋषभदेवानंद महाराज, एडिशनल एसपी श्रीमती सुमन गुर्जर, ब्रह्माकुमारी संस्थान से आदर्श दीदी, वरिष्ठ नेता श्री विनोद शर्मा, ज्वाइन डायरेक्टर सामाजिक न्याय श्री देवकीनंदन सिंह, विरही

सहायक संचालक सामाजिक न्याय श्री शशांक, सचिव रमन शिक्षा समिति श्री रामदास माहौर, अध्यक्ष अहिंसा महिला एवं बाल कल्याण समिति श्री दीपक श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी जनकल्याण श्रीमती पूर्वी अग्रवाल, श्री आकाश वशिष्ठ, श्री सौरभ गर्ग एवं अन्य सभी सामाजिक सुरक्षा अधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुमारी आस्था द्वारा सरस्वती वंदना कर की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुति में ब्रह्मकुमारी संस्था के भाई बहनों द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में स्वामी ऋषभदेवानंद महाराज द्वारा युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए अच्छी संगति करने का संकल्प दिलाया गया। एडिशनल एसपी द्वारा समाज को जागरुक होकर अपने युवा पीढ़ी को नशे की ओर बढ़ने से रोकने के लिए घर में अच्छा माहौल देने की अपील की गई। कार्यक्रम में श्री देवकीनंदन सिंह ज्वाइन डायरेक्टर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया एवं कार्यक्रम के अंत में नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत सराहनीय कार्य करने वाले नागरिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में सभी के द्वारा नशा मुक्त करने की शपथ ली गई एवं नशा मुक्त भारत अभियान में हस्ताक्षर कर अपना सहयोग दिया गया।

## निगमायुक्त ने किया क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण

ग्वालियर। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने गुरूवार को अचानक क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 का निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाओं को देखा। गुरूवार को अचाकन निगम आयुक्त संघ प्रिय क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 पर पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

निगमायुक्त ने समस्त स्टाफ की सार्थक ऐप के माध्यम से हाजिरी चेक की और कार्यालय पर की गई रेन वाटर हार्वेस्टिंग को मुआयना लिया। इसके साथ ही निगमायुक्त ने संपत्ति कर टीसी को संपत्ति कर वसूली के संबंध में निर्देश देकर उपस्थित डब्ल्यूएचओ को कार्यालय में साफ सफाई के लिए निर्देशित किया। निगमायुकक्त ने इस मौके पर स्टाफ को ईकेवाईसी में डुप्लीकेट ईकेवायसी को हटाने के साथ ही ईकेवायसी में गति लाने के निर्देश दिए।

## लायंस क्लब ग्वालियर अनुभूति की नई कार्यकारिणी गठित

**ग्वालियर दैनिक नवनीत एक्सप्रेस**

लायंस क्लब ग्वालियर अनुभूति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन शहर के एक निजी होटल में किया गया जिसमें सर्वसम्मति से 2025 26 के लिए नवीन टीम की घोषणा की गई अध्यक्ष लायन अशोक शर्मा सचिन लायन कमल बनवारी और कोषाध्यक्ष

रूप में आईपीपी रूद्रद्ध लायन मीनाक्षी गोयल ने नई टीम की घोषणा की अध्यक्ष लायन कमल किशोर गुप्ता ने वार्षिक साधारण सभा में सारे कार्यों और हिसाब का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया इस अवसर पर लायन विजय खंडेलवाल मुरार लायन किस्टी गोस्वामी ला आशीष गोस्वामी ला मनीष शिवहरे लायंस क्लब ग्वालियर अनुभूति के अध्यक्ष कमल कुमार गुप्ता सचिव लायन नीरज मंगल के साथ सभी बोर्ड मेंबर्स आदि

लायन विजय खंडेलवाल को बनाया गया चुनाव अधिकारी के उपस्थित रहे

## ग्वालियर-बेंगलुरु साप्ताहिक ट्रेन शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का (वर्चुअल) उद्बोधन

**ग्वालियर।नगर संवाददाता**

ग्वालियर-बेंगलुरु साप्ताहिक रेलगाड़ी के शुभारंभ के ऐतिहासिक अवसर पर मैं सबसे पहले भारत सरकार के लोकप्रिय मंत्री, माननीय श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी को हृदय से बधाई देता हूँ। आपने जिस प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। यह ग्वालियर की वही धरती है, जहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया जी के नेतृत्व में एक के बाद एक रेल सुविधाओं की सौगात मिलती रही है। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह नई कड़ी जुड़ रही है।थोड़ी देर पूर्व हमारे बीच उपस्थित रहे माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को भी मैं

विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, जिनके नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। नित नई सौगातें मिल रही हैं, और देशभर में कनेक्टिविटी का एक नया युग प्रारंभ हुआ है।आज का यह अवसर ग्वालियर के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण है। हमारे बीच माननीय विधानसभा अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, पूर्व सांसद व मंत्री श्री जयंत मलैया जी, प्रदेश सरकार के मंत्रीगण श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री नारायण सिंह कुशवाहा, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, श्री जयप्रकाश राजोरिया जी, श्री प्रेम सिंह राजपूत जी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हैं। मैं सभी को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ। ग्वालियर की जनता को जो-जो आवश्यक था, वह अब एक-एक कर पूर्ण हो रहा है। यह वर्ष अटल जी की जन्मशताब्दी का भी वर्ष है, और यह भूमि राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी की तपोभूमि भी रही है। स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी ने जिस रेल विकास यात्रा की शुरुआत की थी, यह उसी श्रृंखला का विस्तार है।ग्वालियर से बेंगलुरु के लिए आज जो सीधी ट्रेन शुरू हो रही है, वह दक्षिण भारत से हमारे जुड़ाव को और अधिक सशक्त बनाएगी। यह केवल रेलगाड़ी नहीं, एक नई दिशा की ओर बढ़ता कदम है।मैं एक और महत्वपूर्ण बात साझा करना चाहता हूँ। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा ?18,000 करोड़ की लागत से इंदौर-मुंबई नई रेलवे लाइन स्वीकृत की गई है। इसके माध्यम से ग्वालियर से होकर सीधा उज्जैन और इंदौर तक एक वैकल्पिक मार्ग विकसित होगा, जो भोपाल-खंडवा मार्ग पर निर्भरता को कम करेगा। इससे चंबल और मालवा क्षेत्र में विकास को एक नई रफ्तार मिलेगी।पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना और अन्य योजनाओं के माध्यम से यह पूरा क्षेत्र औद्योगिक, कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

# ग्वालियर सकल जैन समाज एवं सन्मति सुबल वर्षायोग ग्वालियर की ओर से चातुर्मास की तैयारिया हुई शुरू

**ग्वालियर में आचार्य श्री सुबल सागर ससंघ मंगल प्रवेश 28 को होगा, 02 जुलाई से सिद्धचक्र विधान ओर 15 को चतुर्मास कलश स्थापन होगी**

**ग्वालियर।नगर संवाददाता**

### माधवगंज जैन मंदिर में आचार्यश्री सुबल सागर ने प्रवचन में कहा जो धैर्य रखता है वह ही मोक्ष मार्ग पर चलता है

### ग्वालियर शहर में पहली बार नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ होगा भव्य चातुर्मास

ग्वालियर। तपस्वी सम्राट श्री सन्मति सागर महाराज के अंतिम शिष्य आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ का ग्वालियर की पवन धरा पर भव्य चातुर्मास होगा।आचार्य श्री सुबल सागर महाराज का वर्ष 2016 के बाद एक बार फिर से नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ भव्य चातुर्मास होगा। ग्वालियर सकल जैन समाज सन्मति सुबल वर्षायोग ग्वालियर चातुर्मास की तैयारिया बड़े जोरो के साथ कर रहा है। वही 28 जून शनिवार को आचार्य श्री सुबल सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली जाएगी।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सकल जैन समाज ग्वालियर के तत्वाधान में 28 जून शनिवार को प्रातः 07 बजे से दौलतगंज स्थित जैन मंदिर से चातुर्मास के लिए आचार्यश्री सुबल सागर महाराज ससंघ नौ संतो का भव्य गाजेबाजे के साथ मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली जायेगी। मंगल प्रवेश शोभायात्रा समन्वयक जैन मिलन ग्वालियर के निर्देशन में मंगल प्रवेश यात्रा दौलतगंज जैन मंदिर से शुरू होकर पाटनकर चौराहे, फालका बाजार राममंदिर से गस्त का ताजिया, डीडवाना ओली, सराफा बाजार, महाराज बाड़ा, मोर बाजार, दाना ओली से होती हुई कार्यकम स्थल चंपाबाग धर्मशाला पहुंचेगी। मंगल प्रवेश में महिलाएं केसरिया साड़ी और पुरुष व्हाइट परिधानों में सम्मिलित होगे।

## XUV 3XO के एक लॉन्च के एक वर्ष पूरे होने पर महिंद्रा शोरुम पर मना जश्न

**दैनिक नवनीत एक्सप्रेस/ हर्षित दुबे मो.8349598624**

महिंद्रा ने अपनी XUV 3XO (जो कि XUV300 का फेसलिफ्ट है) और अब इस कार ने भारतीय बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। कंपनी ने इस मौके को एक साल पूरे होने के जश्न के तौर पर मनाया है।लॉन्च के बाद से ही, XUV 3XO को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और इसकी बिक्री भी अच्छी रही है।ग्वालियर नाका चंद्रबदनी स्थित रॉयल ऑटोमोबाइल के महिंद्रा शोरूम पर महिंद्रा XUV 3XO के लॉन्च के एक साल सफलता के साथ पूरे होने पर इस दिन को जश्न के रूप में मनाया यहाँ पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

जिसमे ग्राहकों को बुलाया और उनसे केक कटवाकर इस कार्यक्रम को शुरू किया महिंद्रा शोरूम के जी.एम नमित चतुर्वेदी और एस. एम. विनीत शर्मा ने ग्राहकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को मनाया कार्यक्रम मे संदीप शर्मा, कपिल तिवारी, सौरभ पर्चे, मुश्कान झा, शिवानी यादव, विन्नी पाठक,हेमंत शर्मा,निक्कू ठाकुर हर्षित दुबे आदि महिंद्रा के एम्प्लॉयी और ग्राहक मौजूद रहे

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा · जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित · संपादकः महेन्द्र तिवारी · न डरते है न डराते है, सब उजागर करते हैं



# सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी- सप्लीमेंट्री खत्म-पहली परीक्षा फरवरी में कंपलसरी, दूसरी मई में ऑप्शनल-अप्रैल जून में नतीजे

परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा सीबीएसई 10वीं का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप,परीक्षाओं में कम तनावपूर्ण माहौल व छात्रों को सीखने का बेहतर मौके देना है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पूरी दुनिया के मंझे हुएशिक्षाविदों बुद्धिजीवियों व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष विश्लेषणात्मक भूमिका रखने वालों की पूरी नजर गढ़ी हुई है, क्योंकि इस नई राष्ट्रीय नीति 2020 में अनेकों ऐसे अनुशंसित नियम व मौके हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत की पीढ़ीयों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके पूर्व हमने देखे कि इंजीनियरिंग सहित अनेको कोर्स अपनी मातृभाषा में करने का सटीक सिस्टम लागू किया गया है, जो इस एनईपी 2020 का ही हिस्सा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सभी राज्यों ने भी तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि इस शिक्षा नीति को अपनाने से जोजनरेशन निकलेगी वह पारिस्थितिकीजन्य विश्लेषण कर नई प्रौद्योगिकी वह नीति से आगे बढ़ाने वाली होगी।आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सीबीएसई के एग्जामिनर कंट्रोलर ने बुधवार दिनांक 25 जून 2025 शाम को प्रेस में बताया कि दसवीं की परीक्षा अब सत्र 2025-2026 से वर्ष में दो बार होगी, व उसका पूरा विवरण बताए जो हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे।चूँकि इस नए पैटर्न से छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार करने का मौका मिलेगा जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे सीबीएसई 10वीं बोर्ड का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण व छात्रों को सीखने का बेहतर मौका देना है। साथियों बात अगर हम सत्र 2025-26 से सीबीएसई 10वीं की परीक्षा पैटर्न में चेंज की करें तो,अगर हम या हमारे बच्चे 10वीं की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए बेहद जरूरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के तरीके में बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया है, अब छात्रों को परीक्षा में साल में दो बार बैठने का मौका मिलेगा, यानी अगर कोई छात्र अपने पहले प्रयास के अंकों से संतुष्ट नहीं है, तो वह दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है, इसका उद्देश्य छात्रों पर से दबाव कम करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का दूसरा मौका देना है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी दीं उन्होंने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे%%इससे छात्रों को एक ही शैक्षणिक सत्र में दो अवसर मिलेंगे और वे समय पर अपने करियर और आगे की पढ़ाई के लिए निर्णय ले सकेंगे।उन्होंने आगे कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा, छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा, इसका मतलब यह है कि छात्र केवल उन्हीं विषयों की परीक्षा दोबारा देंगे, जिनमें वे अपनी पहली कोशिश से संतुष्ट नहीं हैं %%तय मानदंडों के अनुसार, शीतकाल में बंद रहने वाले स्कूलों के दसवीं कक्षा के छात्रों को किसी भी चरण में उपस्थित होने का विकल्प मिलेगा. इसके अनुसार, शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा, यह बदलाव परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए किया गया है, सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी और हितधारकों की प्रतिक्रिया मांगी गई थी, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश के मुताबिक, बोर्ड परीक्षाओं की ''उच्च अपेक्षा%% वाले पहलू को खत्म करने के लिए सभी छात्रों को किसी भी शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।सीबीएसई का यह नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप है। नीति का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण बनाना और छात्रों को सीखने के बेहतर मौके देना है,सीबीएसई ने इस बदलाव से पहले फरवरी 2025 में ड्राफ्ट नियम जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे थे,इन सुझावों के आधार पर ही यह नया पैटर्न तैयार किया गया है।सीबीएसई का यह नया फैसला बोर्ड परीक्षा को ज्यादा लचीला और छात्र- केंद्रित बनाता है, अब छात्र अपनी गलतियों को सुधारने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए दो मौके पा सकेंगे, जिससे परीक्षा का तनाव कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा, यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। साथियों बात अगर हम 10वीं सीबीएसई के इस चेंज पैटर्न को गहराई से समझने की करें तो, नए एग?जाम पैटर्न की 3 अहम बातें, परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब?जेक?ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बता दें कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षाओं में सेलेबस भी एक ही रहेगा और पूर्ण पाठ्यक्रम शामिल होगा, इसके साथ ही जो स्टूडेंट दोनों परीक्षा में हिस्सा लेंगे, उनके परीक्षा केंद्र एक ही होंगे,(1) अगर एग्जाम फीस की बात करें तो रजिस्ट्रेशन के वक्त ही दोनों परीक्षाओं की फीस जमा करनी होगी। (2) सीबीएसई दूसरे एग्जाम के जरिए उन स्टूडेंट्स को मौका देना चाहता है, जो एक बार परीक्षा के बाद अपने परिणामों में सुधार करना चाहते हैं (3) अगर कोई स्टूडेंट साल की दोनों परीक्षाओं में हिस्सा लेता है तो उसके उन नंबरों को फाइनल माना जाएगा, जो ज्यादा होंगे, अगर किसी के पहले एग्जाम में ज्यादा नंबर आते हैं और दूसरे एग्जाम में कम नंबर आते हैं तो उसके पहले चरण की परीक्षा के नंबर को फाइनल माना जा सकता है। बता दें कि स्टूडेंट्स तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की अनुमति दी जाएगी, अगर कोई स्टूडेंट पहली परीक्षा में 3 या 3 से ज्यादा विषयों में शामिल नहीं हुआ है तो उसे दूसरी परीक्षा में बैठने का मौका नहीं मिलेगा।सीबीएसई की ओर से फरवरी में जो ड्राफ्ट तैयार किया गया था, उसमें कहा गया था कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा के पहले चरण की परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च के बीच आयोजित हो सकती है और दूसरे चरण की परीक्षाएं 5 से 20 मई के आयोजित होंगी।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी- सप्लीमेंट्री खत्म-पहली परीक्षा फरवरी में कंपलसरी, दूसरी मई में ऑप्शनल-अप्रैल जून में नतीजे,परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा।सीबीएसई 10वीं का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप,परीक्षाओं में कम तनावपूर्ण माहौल व छात्रों को सीखने का बेहतर मौके देना है।

**- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

कविता

## माँ की ममता

रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी
मानने को वह तैयार ही नहीं थी
अपनी बेटी को नजरें तलाश रहीं थीं
लगातार वह विलाप कर रही थी
कुछ सुनने और कहने को वह तैयार ही नहीं थी
पति की सहानुभूति से और रो रही थी
बेटी को नजरें तलाश रही थीं
तड़फ सी दिल से निकल रही थी
धीरे-धीरे सुबह भी शाम में ढल रही थी
कहीं खोज खबर ही नहीं मिल रही थी
रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी
अचानक से फोन की घंटी बज रही थी
थाने में पहुंचने की अब घड़ी थी
पिता के साथ आज माँ यूँ चल पड़ी थी
जो नहीं देखा था वह देखने आगे बढ़ चुकी थी
सामने बेटी दूल्हे संग खड़ी थी
मां को यह बात बहुत ही खली थी
जिसे पाल पोस कर बड़ा किया आज वह अपनी मनमर्जी करने चली थी
दिल के हुए दो टुकड़े सुनकर जो वह कहने चली थी
माँ बाप के संग अब वह ना चली थी
मनमानी से शादी जो कर चुकी थी
संस्कारों की कड़ी जो अब टूट चुकी थी
जिसके लिए तड़पी थी उसी से आज नाता तोड़ने चली थी
पिता बोले तुम कितने भ्रम में जी रही थी
कोई और नहीं यह खुद से घर से निकल चली थी
समाज के अत्याचार से नहीं माँ की ममता से पीड़ित थी
पिता की रूह कांप उठी जब वह कहने चली थी
मैं अपनी मर्जी से घर से चली थी
ना लड़के की ना समाज की गलती थी
क्योंकि अब मैं बालिग जो हो चली थी
माँ की ममता आज तार तार हो चली थी
थाने में उनकी एक न चली थी
कमजोर होने ममता की कड़ी चली थी
शायद मेरी ममता में ही कुछ कमी थी?..
रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी

**वंदना घनश्याला की कलम से**

कविता

## जग के नाथ जगन्नाथ

शरण में जो आए, प्रभु तारते हैं।
दया दृष्टि से ही संकट हरते हैं।
रथ में विराजे, नगर घूमते हैं।
कृपा से सभी को नव जन्म देते हैं॥
सुभद्रा समेतें, बलदेव साथे।
भक्ति में लहरें, जन मोद पाथे।
ध्वज और पताका, शुभ चित्त राखे।
पवित्र पथों पर चरण प्रभु राखे॥
पट जब खुले तो हृदय नाचे रे।
भीड़ें उमड़तीं, सभी गाएँ रे।
रथ खींच भक्तों का मन भाए रे।
मोक्षोपथ खुद प्रभु बतलाएँ रे॥
कालों में कलि का ये नाथ जग है।
केशव का साक्षात् रूप रथ मग है।
हरि नाम से ही तो भक्ति उमग है।
रथयात्रा चेतन पथ की सजग है॥
सागर समर्पण, चरणों पे होवे।
मन मन्दिरों में प्रभु प्रेम रोवे।
जग के अधीशा, कृपा की शोभा।
जगन्नाथ ही तो शरण हैं लोभा॥

**स्वाति सिंह साहिबा**
**संस्थापिका अनुरनन प्रतिध्वनि साहित्यिक मंच**
**महेश्वर**

# आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के

प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा। लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है।-

**शम्भवी सिंह**

आस्था

**आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि दिन शुक्रवार**

# मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक

खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

**- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

# एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

### दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है। कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

### क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं। इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

### नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है। अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

### क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

### रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

### क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें। वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

# 45+ की उम्र में भी दिखेंगी जवां और खूबसूरत, रोजाना करें ये 4 फेशियल योगा

फेशियल योगा के लिए 15 मिनट रोजाना निकालना चाहिए। हालांकि हम पूरे दिन हाथ-पैर का उपयोग करते हैं, इसलिए वह एक्टिव रहते हैं। लेकिन फेस की मसल्स ज्यादा एक्टिव नहीं होती है। इससे चेहरे की स्किन ढीली होकर लटकने लगती है। फेशियल योगा के बारे में तो हम सबने बहुत कुछ सुना है। लेकिन क्या आपको मालूम के रोजाना फेशियल योगा करने से आप 45 साल की उम्र से अधिक होने के बाद भी 10 साल कम नजर आएंगी। अगर आप रोजाना सही तरीके से फेशियल योगा करती हैं, तो इससे फेस पर झुर्रियां और झाइयां दोनों ही कम नजर आती है। इससे आपकी उम्र का अंदाजा कोई नहीं लगा सकता है। इसलिए हर महीने रोजाना 1 घंटा अपने लिए जरूर निकालना चाहिए और एक्सरसाइज करनी चाहिए।

फेशियल योगा के लिए 15 मिनट रोजाना निकालना चाहिए। हालांकि हम पूरे दिन हाथ-पैर का उपयोग करते हैं, इसलिए वह एक्टिव रहते हैं। लेकिन फेस की मसल्स ज्यादा एक्टिव नहीं होती है। इससे चेहरे की स्किन ढीली होकर लटकने लगती है। उम्र से पहले आप बूढ़े नजर आने लगती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फेशियल योगा के बारे में बताने जा रहे हैं। रोजाना इन चमत्कारी मुद्राएं करन से चांद की तरह चमकेगा चेहरा, मिलेगा नेचुरल ग्लो

### फेशियल योगा

बता दें कि फेशियल योगा करने से पहले फेस की स्किन में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इसको करने से स्किन ग्लोइंग बनती है और मसल्स भी एक्टिव रहती हैं और फैट जमा नहीं होता है। फेस का शेप अच्छा रहता है और स्किन ढीली नहीं पड़ती है। इन फेशियल योगा को करने से रिंकल्स, एजिंग स्पॉट्स और पिगमेंटेशन की परेशानी नहीं होती है।

### फेशियल योगा

इस योगा को करने से होंठों के आसपास आने वाली फाइन लाइंस हल्की पड़ जाती है। अगर आप भी चाहती हैं कि यह फाइन लाइंस नहीं आए, तो आपको पहले से ही यह योगा करना शुरूकर देना चाहिए। इस फेशियल योगा को करने से पहले फेस को थोड़ा सा वॉर्मअप कर लें। वॉर्मअप के लिए मुंह में हवा भरकर 2 सेकेंड के लिए होल्ड करें और फिर हवा छोड़ दें। ऐसा कम से कम 10 बार करें। अब होंठों को ओ शेप में लाएं। 1 मिनट तक इस पोजीशन में खुद होल्ड करें और फिर सामान्य जैसे हो जाएं। इसको 20 के सेट में कम से कम 5 बार करें। हर सेट के पूरा होने के बाद 2 सेकेंड का ब्रेक लें।

### मंकी माउथ फेशियल योगा

यह फेशियल योगा नाम और होंठों के आसपास की फाइन लाइंस को कम करता है। वहीं होंठों को भी लटकने से बचाता है। इस योगा को करने के लिए दोनों होठों को दांतों से अंदर की ओर दबा लें। होंठों को दांतों से आराम से दबाएं। अब होंठों के कॉर्नर पर दोनों उंगलियों को रखें और ऊपर की तरफ होंठों को स्ट्रेच करें। इस दौरान आपका फेस बिल्कुल मंकी माउथ जैसा लगता है।इस फेशियल योगा को 20 के सेट में कम से कम 3 बार करें। वहीं हर सेट के बाद 2 सेकेंड का ब्रेक लें।

# POCO का ये फोन भारत में हुआ लॉन्च, बेहतरीन बैटरी बैकअप के साथ मोबाइल से लैपटॉप भी होगा

पोको F7 में कंपनी ने 6.83 इंच का OLED डिस्प्ले दिया है, जो 120॥5 रिफ्रेश रेट और 3200 Nits की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। स्क्रीन की प्रोटेक्शन के लिए Corning Gorilla Glass |i इस्तेमाल किया गया है। ये स्मार्टफोन Snapdragon }s Gen प्रोसेसर पर काम करता है। POCO F7 भारत में लॉन्च हो चुका है, ये एक मिड रेंज स्मार्टफोन है जो दमदार फीचर्स के साथ आता है। इसमें आपको 512GB तक का स्टोरेज ऑप्शन मिलेगा। इस फोन की खासियत इसकी बड़ी बैटरी है जिसमें लैपटॉप तक चार्ज किया जा सकता है। इस फोन में 22.5ड्ड की रिवर्स चार्ज सपोर्ट है यानी इस फोन से लैपटॉप भी चार्ज कर सकते हैं। हालांकि, फुल चार्ज नहीं होगा, लेकिन जरूरत पड़ने पर ये पर्पल सर्व कर देगा। ब्रांड ने इस स्मार्टफोन को फ्लैगशिप किलर की तरह लॉन्च किया है,

जिसमें कई प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। अच्छी बात है कि हैंडसेट ढ्ढक्क रेटिंग सपोर्ट के साथ आता है। इस फोन का सीधा मुकाबला पिक्सल 8ड्ड, OnePlus vxR और iQOO Neo 10 से होगा। POCO F| में कंपनी ने 6.83 इंच का OLED डिस्प्ले दिया है, जो 120॥5 रिफ्रेश रेट और 3200 Nits की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। स्क्रीन की प्रोटेक्शन के लिए Corning Gorilla Glass |i इस्तेमाल किया गया है। ये स्मार्टफोन Snapdragon }s Gen प्रोसेसर पर काम करता है। जानें कीमत? POCO F| को आप फ्रॉस्ट वॉइट, फैंटम ब्लैक और साइबर सिल्वर कलर में इस्तेमाल कर सकते हैं। स्मार्टफोन का 1wGB RAM+ wz{GB स्टोरेज वेरिएंट 31,999 रुपये में आता है। वहीं 1wGB+ zvwGB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 33,999 रुपये है।

# मेकअप किट में शामिल करें ये 5 बेस्ट लिपस्टिक शेड, इन शेड्स पर लड़कियों का दिल आ जाएगा

मेकअप की जान होती है लिपस्टिक, इसके बिना मेकअप भी फीका लगता है। अगर आप भी लिपस्टिक खरीदना चाहती हैं, तो इन शेड्स की लिपस्टिक जरुर लगाएं। इस लेख में हम आपके लिए कुछ यूनीक लिपस्टिक शेड्स के बारे में बताने जा रहे हैं। यह शेड्स हर लड़की के मेकअप किट में होना चाहिए। जब लुक्स की बात आती है, तो मेकअप लुक में जान डाल देता है। मेकअप की जान लिपस्टिक बिल्कुल है। हर एक लड़की के मेकअप किट में ये लिपस्टिक शेड्स जरुर होने चाहिए। कुछ लिपस्टिक शेड्स कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं जाते। ये हर स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं। आप भी अपने मेकअप किट में हमेशा ट्रेंड में रहने वाली लिपस्टिक को एड कर सकते हैं। बेहतरीन लिपस्टिक शेड्स, हर ब्यूटी लवर के पास होने चाहिए। चाहे वो परफेक्ट न्यूड हो, पावर रेड हो या आकर्षक मौवे, ये शेड्स समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इसलिए लड़कियां अपने मेकअप किट में इन शेड्स को जरुर शामिल करें।

### ब्राउन लिपस्टिक शेड

आजकल सबसे ज्यादा ट्रेंड में ब्राउन लिपस्टिक कलर है, जो हर एक लड़की के चेहरे पर सूट करती है। इसमें आपको लाइट से लेकर डार्क कई तरह के शेड्स मिल जाएंगे। आप अपने चॉइस के हिसाब से इन शेड्स को खरीद सकती हैं। ब्राउन लिपस्टिक ऑफिस से लेकर कैजुअली और पार्टी में भी लगा सकते हैं।

### वाइन लिपस्टिक शेड

ट्रेंडी लिपस्टिक में वाइन शेड काफी ट्रेंड में है। अगर आपकी स्किन टोन फेयर है, तो आप वाइन कलर की लिपस्टिक जरुर ट्राई करें। यह लिपस्टिक नाइट और डे दोनों फंक्शन में काफी सुंदर लगती है। अगर आपको यह शेड डार्क लग रहा है, तो आप इसमें लाइट शेड भी ले सकते हैं।

### न्यूड लिपस्टिक

आजकल न्यूड लिपस्टिक काफी प्रचलन में है। आप न्यूड लिपस्टिक को ऑफिस से लेकर कैजुअल लुक के लिए ट्राई कर सकते हैं। वैसे आजकल ब्राइड भी न्यूड मेकअप के साथ लिपस्टिक शेड भी न्यूड लगा रही हैं। आपको इसमें कई सारे शेड्स मिल जाएंगे। आप लिपस्टिक को ऑनलाइन या ऑफलाइन भी खरीद सकती है।

### रेड लिपस्टिक शेड

अगर आप शादीशुदा है तो आपके लिए रेड लिपस्टिक परफेक्ट शेड है। जरुरी नहीं है कि मैरिड ही रेड लिपस्टिक ट्राई कर सकती है।

# प्रकृति, रोमांच और जैव विविधता का अद्भुत संगम है दलमा वन्यजीव अभयारण्य

दलमा अभयारण्य भारतीय हाथियों की महत्वपूर्ण आबादी के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, यहाँ तेंदुआ, स्लॉथ भालू, भौंकने वाला हिरण, जंगली सूअर, चीतल, सांभर, भारतीय गौर, भारतीय पैंगोलिन, भारतीय साही, उड़ने वाली गिलहरी, भारतीय खरगोश और रीसस मकाक जैसे स्तनधारी पाए जाते हैं। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में स्थित दलमा वन्यजीव अभयारण्य (ष्ठड्डद्यद्वड्ड ङ्खद्बद्यस्रद्यद्बद्घद्ग स्ड्डठ्ठष्ह्लह्वड्डह्म4) प्रकृति प्रेमियों, साहसिक यात्रियों और वन्यजीव उत्साही लोगों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। यह अभयारण्य जमशेदपुर से लगभग 10-15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और 195 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह क्षेत्र दलमा पहाड़ियों में स्थित है, जिनकी ऊँचाई समुद्र तल से 915 मीटर तक है।

### जैव विविधता और वन्यजीव

दलमा अभयारण्य भारतीय हाथियों की महत्वपूर्ण आबादी के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, यहाँ तेंदुआ, स्लॉथ भालू, भौंकने वाला हिरण, जंगली सूअर, चीतल, सांभर, भारतीय गौर, भारतीय पैंगोलिन, भारतीय साही, उड़ने वाली गिलहरी, भारतीय खरगोश और रीसस मकाक जैसे स्तनधारी पाए जाते हैं। पक्षियों में मोर, भारतीय रोलर, भारतीय पिट्टा, मालाबार पाइड हॉर्नबिल, क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल, ओरिएंटल हनी बज़र्ड, पीले पाँव वाला हरा कबूतर, व्हाइट-रम्प्ड शामा, ब्लैक ड्रोंगो, भारतीय पैराडाइज फ्लाईकैचर, भारतीय रॉबिन, ग्रेटर कूकल, ग्रे-हेडेड फिश ईगल और चेंजेबल हॉक-ईगल प्रमुख हैं। सरीसृपों में भारतीय अजगर, किंग कोबरा, कॉमन क्रेट, रसेल वाइपर, भारतीय मॉनिटर लिज़र्ड, कॉमन इंडियन स्किंक, कॉमन इंडियन गिरगिट और भारतीय गार्डन लिज़र्ड शामिल हैं।

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के साथ महाराष्ट्र की इन जगहों पर जाने से बचें, दुर्घटना का रहता है खतरा

### वनस्पति और प्राकृतिक सौंदर्य

अभयारण्य में मुख्यतः सूखी मिश्रित पर्णपाती वनस्पति पाई जाती है, जिसमें साल, महुआ, बांस, जामुन, आम, नीम, शीशम, अर्जुन, करंज, कदम और अन्य स्थानीय प्रजातियाँ शामिल हैं। दलमा पहाड़ियों की हरियाली और शांत वातावरण इसे ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षक बनाते हैं।

### प्रमुख गतिविधियाँ

ट्रेकिंग और हाइकिंग- दलमा पहाड़ियों में ट्रेकिंग के लिए कई मार्ग हैं, जो 2500 फीट तक की ऊँचाई तक जाते हैं। इन मार्गों पर चलते हुए पर्यटक दलमा टॉप और शिव मंदिर तक पहुँच सकते हैं। पक्षी अवलोकन- यह अभयारण्य लगभग 300 प्रजातियों के पक्षियों का घर है, जो पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है। प्रकृति व्याख्या केंद्र (ह्रढ्ढष्ट)- मकुलाकोचा प्रवेश द्वार के पास स्थित यह केंद्र पर्यटकों को अभयारण्य की जैव विविधता और संरक्षण प्रयासों की जानकारी प्रदान करता है।

### कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग- दलमा अभयारण्य ह्र॥-33 के पास स्थित है और जमशेदपुर से लगभग 10-15 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ तक पहुँचने के लिए निजी वाहन या टैक्सी का उपयोग किया जा सकता है।

# कार्यकर्ता की पसंद का होगा जिला अध्यक्ष : आरिफ नसीम

## संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिला शहर कांग्रेस कमेटी भिण्ड द्वारा कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत शहर स्थित बद्रीप्रसाद की बगिया भिण्ड में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। जिसमें एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान, मप्र कांग्रेस के पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी बैजनाथ कुशवाहा, प्रदेश सह सचिव रामलखन दण्डोतिया, भाण्डेर विधायक फूलसिंह बरैया, पूर्वमंत्री चौधरी राकेश सिंह, गोहद विधायक केशव देसाई, जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा, शहर जिला अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा, प्रदेश सचिव धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया पिंकी, प्रदेश सह सचिव मनोज दैपुरिया, बाबा भगवान दास सेंथिया, जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेखा भदौरिया, महिला सेवादल की अध्यक्ष स्मिता शर्मा, राघवेन्द्र शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष मेहगांव भास्कर पुरोहित, रंजीत गुर्जर, शांति कुशवाह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर सूत की माला से माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर एआईसीसी के पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने कहा कि मप्र में कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन अभियान चल रहा है, इस अभियान के तहत कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की पसंद से जिला अध्यक्ष का चुनाव होगा। कार्यकर्ता जिस व्यक्ति को अपनी पसंद बनाएंगे, वहीं जिला अध्यक्ष बनेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तमाम बुद्धिजीवी वर्ग, पत्रकार एवं आम जनता से हुई बातचीत के दौरान निष्कर्ष निकलकर आया कि कार्यकर्ता की पसंद से कांग्रेस को अपना जिला अध्यक्ष बनना चाहिए, तभी संगठन मजबूत होगा। जब संगठन मजबूत होगा, तभी राज्य एवं देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इसी के तहत मैंने भिण्ड जिले की सभी विधानसभाओं का दौरा कर कांग्रेस के जंगबाज कार्यकर्ताओं की आवाज को सुना और उनकी पसंद के व्यक्तियों का पैनल बनाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजूंगा। जिससे आने वाले समय में भिण्ड जिले की विधानसभा की पांचो सीटों पर कांग्रेस अपना विजयी परचम फहरा सके।पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह ने कहा कि इस बार कांग्रेस का जिलाध्यक्ष कार्यकर्ताओं कि मंशा के अनुसार बनेगा, जो किसी नेता की पसंद का नहीं, कांग्रेस के मंडलम, सेक्टर, ग्राम पंचायत एवं वार्ड के कार्यकर्ताओं की सहमति से होगा, जो कार्यकर्ताओं की आवाज को दमदारी से उठा सकता हो, जिसमें सभी को साथ लेने की क्षमता हो, जिसके भाजपा के नेताओं के साथ कोई राजनीतिक संबंध न हों। भाण्डेर विधायक फूल सिंह बरैया एवं पूर्वमंत्री चौधरी राकेश सिंह ने भी बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम में भरत चौधरी, रंजीत सिंह शाक्यवार, बृजेन्द्र सिंह कल्लू भारौली, अजय शर्मा, शैलेन्द्र भदौरिया, देवेन्द्र सिंह, रीना चौहान, सीमा शर्मा, जानकी, प्रमोद दीक्षित पीसी, सुखप्रीत मिश्रा, गोविन्द कुशवाह, वीरेन्द्र यादव, आनंद शाक्य, संजीव बरुआ, मोहम्मद इरफान गम्मू, नईम पठान, रामहेत शाक्य, छोटेसिंह नरवरिया, शिवदत्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

## विहसन्त सागर महाराज का बरासों में मंगल प्रवेश आज

नगर संवाददाता

भिण्ड। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज मुनि विश्व साम्य सागर महाराज ससंग का महातीर्थ अतिशय क्षेत्र बरासों जी में आज 27 जून दिन शुक्रवार को प्रातः काल 8 बजे भव्य मंगल प्रवेश होने जा रहा है। जानकारी देते हुए पार्षद मनोज जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ससंघ का भिंड नगर में चातुर्मास हेतु आगमन हो रहा जो इंदौर से शिवपुरी गुना सोनागिर बेहट होते हुए महातीर्थ बरासों जी जैन मंदिर में 27 जून को प्रातः काल 8 बजे मंगल प्रवेश करेंगे । पार्षद जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ने भगवान महावीर स्वामी की समवसरण स्थली अतिशय क्षेत्र बरासो जैन मंदिर की जीर्णशीर्ण हालात को देख कर पहली बार विहसन्त सागर महाराज ने चातुर्मास किया था। उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार कराकर देश प्रदेश में नाम किया, जिसे देश के विभिन्न स्थानों के लोग बढ़ी संख्या में लोग अष्टमी चौदस को दर्शन करने आते है।

# अंतर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर विधिक जागरुकता शिविर आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड उमेश पाण्डव के मार्गदर्शन में ग्राम काशीपुरा एवं चरथर में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड देवेश शर्मा ने नालसा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अनैतिक तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अंतर्गत नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण के पीड़ित योजना और नालसा मादक द्रव्य दुरुपयोग के पीड़ितों के लिए सेवाएं और मादक द्रव्य उन्मूलन योजना अंतर्गत उपस्थित ग्रामीणजन को नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आज के इस दौर में किशोर अवस्था में बालक नशे की तरफ बड़ी आसानी से अग्रसर हो जाता है। इस उम्र में बालक में समझने-बूझने की क्षमता कम होती है तथा वह अपने साथियों के साथ मिलकर नशे जैसे बीड़ी, तंबाकू, सिंगरेट, गुटका आदि से शुरुआत कर ड्रग सेवन तक पहुंच जाता है। ऐसा करते हुए वह जाने-अनजाने में विभिन्न प्रकार के अपराधों को कारित करता है। अतः सभी आमजनों को नशे से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। हमें नशा उन्मूलन के बारें अपने आस-पास के आमजनों को जानकारी देनी चाहिए एवं उनकी इस लत को छुड़ाने में उनका प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर डिप्टी चीफ अजय कुमार त्रिपाठी, ग्राम के सरपंच, सचिव, ग्रामीणजन एवं पीएलव्ही भिण्ड सुमित यादव, ब्रजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

# चंबल नदी से रेंगते हुए पांच किमी दूर गांव में पहुंचा मगरमच्छ

### वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ा

नगर संवाददाता

भिण्ड। चंबल नदी के अटेर घाट से एक मगरमच्छ रेंगते हुए पांच किमी दूर अटेर क्षेत्र के बामन गांव में पहुंच गया। गांव में मगरमच्छ दिखने के बाद लोगों में डर फैल गया। बुधवार की रात करीब 8 बजे मगरमच्छ गांव के पास दिखाई दिया। ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और वन विभाग को सूचना दी। रात करीब साढ़े 9 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जाल लगाकर मगरमच्छ को पकड़ लिया। रात में मगरमच्छ को सुरक्षित बंधक बनाकर रखा गया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे वन विभाग की टीम ने उसे रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग के डिप्टी रेंजर बलवीर चौरसिया ने कहा कि बारिश का सीजन शुरू होते ही नदियों में पानी बढ़ने लगता है। ऐसे में मगरमच्छ सुरक्षित स्थान की ओर पलायन करते हैं। कई बार चंबल नदी के किनारे बसे गांवों के तालाबों में भी मिलते हैं। मगरमच्छ का रेस्क्यू कर नदी में छुड़वाया गया है।

## ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र लहार एवं आलमपुर को नोटिस

नगर संवाददाता

भिण्ड। अपर कलेक्टर भिण्ड ने कॉम्पैक्ट सिस्टम अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र लहार और नीलेश दुबे अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र आलमपुर को अनुबंधित आरएफपी की शर्तों का उल्लंघन करने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय ने नोटिस जारी कर कहा है कि 25 जून को विभागीय निर्देशानुसार अध्यक्ष लोकसेवा केन्द्र निगरानी समिति अनुविभाग लहार, एसडीएम लहार एवं जिला प्रबंधक लोकसेवा प्रबंधन विभाग द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में अनुबंध की शर्तो अनुसार स्टाफ उपस्थित नहीं पाए जाने, महिला कर्मचारी उपस्थित नहीं पाए जाने, सभी काउंटर चालू नहीं पाए जाने, स्टाफ की बायोमेट्रिक अटेंडेंस का रिकार्ड उपलब्ध नहीं करवाने, मैन्युअल उपस्थिति पंजी भी संधारित नहीं पाई जाने, परिसर में सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल नहीं किए गए, पीआरओ डेस्क संचालित नहीं हैं, आवेदन पर 5 रुपए अतिरिक्त शुल्क लिया गया, अधिसूचित सेवाओं की जानकारी, शुल्क चार्ट नहीं पाए गए सहित अन्य तथ्य/ कमियां परिलक्षित हुईं।

## मुनिराज के आगमन को लेकर महिला मंडल ने किया जनसंपर्क

नगर संवाददाता

भिण्ड। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र बरासों में मंगल प्रवेश एवं भिंड नगर में चातुर्मास को लेकर श्रद्धालुओं में बहुत उत्साह है जिसको लेकर विहसन्त सागर महिला मंडल द्वारा जगह-जगह जनसंपर्क एवं मीटिंग कर महिला मंडलों को जोड़कर मुनिराज की भव्य अगवानी को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। महिला मंडल ने सकल समाज से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मुनिराज की अगवानी को भव्य बनाएं। अपील करने वालों में गीता जैन, सीमा जैन, वर्षा जैन, अमिता जैन, प्रीति जैन, अनीता जैन, बेबी जैन, सुनीता जैन, सुमन जैन आदि बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं।

# बालक-बालिकाओं के स्वस्थ रहने के लिए उत्तम साधन है खेल प्रशिक्षण

### ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण वर्ष 2025 समर कैम्प का हुआ समापन

नगर संवाददाता

मेहगांव। जिलाधीश भिण्ड संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बाक्सला एवं कार्यालय प्रभारी रामबाबू कुशवाहा के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग भिण्ड द्वारा विकास खण्ड मेहगांव में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण वर्ष 2025 समर कैम्प का समापन गुरुवार को शा. महाविद्यालय मेहगांव के खेल परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मण्डल अध्यक्ष मेहगांव नीरज जी शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक बालिकाओं को प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया।शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालक-बालिकाएं पढ़ाई के साथ-साथ सभी बच्चे किसी न किसी खेल में अपने आपको पारंगत करें। खेलों का जीवन में अत्यधिक महत्व है, इसलिए बच्चों के साथ-साथ माता-पिता को भी उनके प्रति गंभीर होना होगा, क्योंकि खेलों से मन मस्तिष्क स्वस्थ रहता है, शरीर बलवान होता है, रोगों से मुक्ति मिलती है एवं करियर बनाने में ये सहायक होते हैं। मेहगांव ब्लॉक के प्रभारी एवं जिला खेल प्रशिक्षक संजय पंकज ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर एक महीने तक लगाया गया, जिसमें कुश्ती प्रशिक्षक डॉ. हर्षद मिश्र एवं कबड्डी प्रशिक्षक ज्योति नरवरिया ने छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर रमेश कुमार शर्मा, राजवीर सिंह, ब्रजेश शर्मा उपस्थित रहे।

# आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर एबीव्हीपी ने निकाला मशाल जुलूस

नगर संवाददाता

भिण्ड। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर बुधवार की शाम को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भिण्ड शहर में मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और लोकतंत्र की जय के नारे लगाए। हाथों में जलती मशाल लेकर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शहर की सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वालों को श्रद्धांजलि दी।मशाल जुलूस की शुरुआत हाउसिंग कॉलोनी से हुआ जो मुख्य मार्ग होते हुए गौरी सरोबर तक पहुंचा। रास्ते में परिषद के कार्यकर्ता ऐतिहासिक आपातकाल को देश का काला दिन बताते हुए लोगों को इसके इतिहास की जानकारी देते रहे। विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी सुमित दीक्षित ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने सत्ता के मद में देश पर आपातकाल थोप दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी, लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए थे। देशभर में विरोध करने वालों को जेलों में ठूंस दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज का दिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले मीसा बंदियों और आंदोलनकारियों को याद करने का है। जिनकी आवाज को दबाने की कोशिश की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सभी ने लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया। अंत में गौरी सरोबर पर मशाल बुझाकर लोकतंत्र रक्षकों को नमन किया गया।

# कांग्रेस जिलाध्यक्ष को लेकर पर्यवेक्षक ने विभिन्न वर्गों से की चर्चा

### कार्यकर्ताओं से कहा- जैसा चाहिए वैसा ही जिलाध्यक्ष मिलेगा

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिले में कांग्रेस का नया जिलाध्यक्ष बनाए जाने की कवायद तेज हो गई है। पार्टी के पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने बुधवार की शाम भिण्ड पहुंचकर विभिन्न वर्गों से विस्तृत चर्चा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठकों में उन्होंने वकीलों, पत्रकारों, समाजसेवियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जिलाध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी की। बैठक में सर्वप्रथम वकील समुदाय से विचार-विमर्श किया गया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष विनीत मिश्रा, लीगल सेल जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा और पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह कुशवाह सहित अन्य वकीलों ने जिले के विकास और कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखे। इसके उपरांत पत्रकारों से मुलाकात कर शहर की समस्याओं और राजनीतिक परिस्थितियों की जानकारी ली गई। इस अवसर पर कांग्रेस लीगल सेल जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने बताया कि जिले में संगठन लंबे समय से कमजोर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे जिलाध्यक्ष की आवश्यकता है जो वैचारिक रूप से मजबूत हों, कार्यकर्ताओं को एकजुट कर सकें और आंदोलन की रणनीति बनाकर उसे क्रियान्वित करने की क्षमता रखते हों। कार्यकर्ताओं ने नए जिलाध्यक्ष के लिए विशेष योग्यताएं सुझाईं। उनके अनुसार, उम्मीदवार शिक्षित होने के साथ-साथ हिन्दी और अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ रखने वाला होना चाहिए। साथ ही सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ और आंदोलनों का नेतृत्व करने की क्षमता भी आवश्यक मानी गई।

### कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेंगे

पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि पार्टी जल्द ही इस विषय पर निर्णय लेगी। वे दो दिवसीय दौरे पर भिण्ड में हैं और इस दौरान कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेंगे।

# नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध एवं तस्करी रोकथाम दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस भिण्ड में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान के तहत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरए शर्मा के मार्गदर्शन और निर्देशन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थ की सेवन से बचाव और उनकी तस्करी पर रोकथाम हेतु जागरुकता था। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. मोहित कुमार दुबे ने बताया कि नशा मुक्त जीवन जीने के लिए परिवार और दोस्तों का सहयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यदि समाज भी इस समस्या के खिलाफ एकजुट हो जाए, तो नशे पर काबू पाया जा सकता है। एक नशा मुक्त समाज न केवल स्वस्थ बल्कि सशक्त भी होता है। हमें इस दिशा में जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। प्रो. अभिषेक यादव ने बताया नशा आज के समय में एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो व्यक्ति के शारीरिक मानसिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। यह न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि व्यक्ति के परिवार और समाज पर भी इसका गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शराब, तंबाकू, सिगरेट, ड्रग्स जैसे नशे के पारंपरिक रूप तो आम हैं ही, लेकिन आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की लत ने नशे का एक नया और खतरनाक रूप ले लिया है। ये आदतें धीरे-धीरे व्यक्ति को वास्तविक जीवन से दूर कर देती हैं और उन्हें मानसिक और भावनात्मक रूप से कमजोर बना देती हैं। डॉ. रवि जैन ने कहा नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। इससे हृदय रोग फेफड़ों की समस्याएं कैंसर और मानसिक बीमारियां हो सकती हैं। यह न केवल शारीरिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को कमजोर बना देता है। डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि नशा एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसे खत्म किया जा सकता है यदि व्यक्ति, परिवार और समाज मिलकर प्रयास करें। हमें नशे के खिलाफ जागरुकता फैलाने और नशा मुक्त जीवन को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होना चाहिए। नशा मुक्त समाज ही हमारे देश को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकता है। इसलिए हमें नशे से बचने और दूसरों को भी बचाने के लिए दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा।

# बल्लेबाज यशस्वी पर भारी उनकी खराब फील्डिंग, पिछले तीन टेस्ट में छोड़े इतने कैच

**नई दिल्ली एजेंसी।** यशस्वी आने वाले समय के सितारे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट के बाद सवालों के घेरे में आ गई। यशस्वी ने लीड्स टेस्ट में बेन डकेट, हैरी ब्रूक और ओली पोप के कैच छोड़े। यशस्वी जायसवाल इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दरअसल, लीड्स के हेडिंग्ले में टीम इंडिया की हार के बाद वह सवालों के कटघरे में हैं। उन्होंने इस मुकाबले में चार कैच छोड़े और चारों ने फिर भारत के खिलाफ खूब रन बनाए। सिर्फ यशस्वी ने नहीं, बल्कि बाकी भारतीय फील्डर्स से भी कैच छूटे। टीम इंडिया की खराब फील्डिंग से लीड्स में इंग्लैंड ने पांच विकेट से जीत हासिल की। यशस्वी के कैच छोड़ने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया देखने लायक थी। वह बेहद निराश नजर आ रहे थे। अब जब दूसरा टेस्ट दो जुलाई से खेला जाएगा तो यशस्वी से फील्डिंग के स्तर में सुधार की गुंजाइश होगी। क्रिकेट मैच में यह कहावत काफी प्रसिद्ध है कि कैच छोड़ो मैच छोड़ो। पिछले तीन टेस्ट में यह कहावत सही साबित हुई है। यशस्वी ने इन मैचों में जितने रन बनाए, उससे ज्यादा रन जिनको उन्होंने जीवनदान दिया, उसने बना डाले। यशस्वी आने वाले समय के सितारे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट के बाद सवालों के घेरे में आ गई। यशस्वी ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान बेन डकेट का कैच छोड़ा। तब वह 97 रन पर थे। इसके बाद उन्होंने 149 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, पहली पारी में भी यशस्वी ने स्लिप में शतकवीर ओली पोप और हैरी ब्रूक के भी कैच छोड़े। पहली पारी में ब्रूक ने 99 रन और पोप ने 106 रन बनाए। इससे फैंस काफी नाराज हुए। फिर यशस्वी को चार कैच छोड़ने के बाद इंग्लिश फैंस के सामने डांस करते भी देखा गया। इस पर गावस्कर समेत कई पूर्व क्रिकेटर्स ने उनकी क्लास लगाई, वहीं कैफ और अश्विन समेत कुछ पूर्व क्रिकेटर्स ने उनका बचाव भी किया। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पिछले साल मेलबर्न टेस्ट से कुल मिलाकर तीन टेस्ट खेले हैं। मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी से यशस्वी ने कुल मिलाकर सात कैच ड्रॉप किए हैं। यशस्वी ने इस दौरान पांच पारियों (दूसरी पारी से) में बल्लेबाजी की है और 221 रन बनाए हैं। इसमें 84 रन, 10 रन, 22 रन, 101 रन और चार रन की पारियां शामिल हैं। हालांकि, जो सात कैच उन्होंने ड्रॉप किए, उन बल्लेबाजों ने जीवनदान मिलने के बाद 229 रन बना डाले। यानी यशस्वी की बल्लेबाजी पर उनकी खराब फील्डिंग हावी रही है। अश्विन ने किया यशस्वी का बचाव हालांकि, अश्विन ने यशस्वी का बचाव करते हुए कहा कि %स्लिप कॉर्डन पर यशस्वी के कैच छोड़ने को लेकर कई बातें हुई हैं। हां, उसे यह मुश्किल लग रहा होगा, लेकिन आइए हम सब बस कुछ समझें और उन्हें थोड़ा आराम से रहने दें, जो हम अक्सर करने में विफल रहते हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि इंग्लैंड में कैच पकड़ना कितना मुश्किल है। वहां ठंड रहती है और ड्यूक की गेंद भी अहम किरदार निभाती है। अश्विन ने कहा, %ड्यूक गेंद से ढलने में समय लग सकता है। एसजी गेंद हाथ में अच्छे से आती है और आरामदायक महसूस होता है। कूकाबूरा छोटी लगती है। ड्यूक कठिन है और निश्चित रूप से गेंद बड़ी लगती है और उसे कैच करना आसान नहीं है। यशस्वी भारत के सबसे बेहतर स्लिप फील्डर्स में से एक रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में कुछ शानदार कैच लपके हैं, खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में। इसलिए हमें उन्हें कुछ समय देना चाहिए। वहीं, कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, यशस्वी जायसवाल कैच क्यों छोड़ रहे हैं? हम ड्यूक की गेंद से अभ्यास कर रहे हैं और जब हमें चोट लगती है, तो हम पट्टी बांध लेते लेते हैं।

## सूर्यकुमार का जर्मनी में हर्निया का सफल ऑपरेशन

**नई दिल्ली।** खेल हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्युनिख में पेट के दाएं ओर खेल हर्निया का सफल ऑपरेशन हुआ। 34 वर्ष के सूर्यकुमार ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा, लाइफ अपडेट~ पेट के निचले दायें ओर खेल हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। खेल हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। जर्मनी में सर्जरी के बाद सूर्यकुमार बेंगलुरू में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र पर रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। भारत को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सूर्यकुमार ने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से 50 ओवरों के प्रारूप में नहीं खेला है। यह तीन साल में सूर्यकुमार का तीसरा ऑपरेशन था। इससे पहले 2023 में उनके टखने का ऑपरेशन हुआ था और 2024 में खेल हर्निया की भी सर्जरी हुई थी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार 2025 सत्र में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। उन्होंने 717 रन बनाये हालांकि मुंबई इंडियंस को प्लेआफ में दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स ने हराया। मुंबई टी20 लीग में सूर्यकुमार ने ट्रायंफ नाइट्स मुंबई नॉर्थईस्ट की कप्तानी की।

# बीसीसीआई और ईसीबी ने सऊदी टी20 लीग को दिया झटका, परियोजना का समर्थन नहीं करने फैसला किया

**लंदन एजेंसी।** सऊदी टी20 लीग को रोकने के लिए इन दोनों देशों के बोर्ड ने हाथ मिलाया है। इसका मतलब यह है कि सऊदी टी20 लीग में शामिल होने के लिए यह दोनों देश अपने खिलाड़ियों को एनओसी नहीं देंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सऊदी टी20 लीग को झटका दिया है और इस परियोजना का समर्थन नहीं करने का फैसला किया है। सऊदी टी20 लीग को रोकने के लिए इन दोनों देशों के बोर्ड ने हाथ मिलाया है। इसका मतलब यह है कि सऊदी टी20 लीग में शामिल होने के लिए यह दोनों देश अपने खिलाड़ियों को एनओसी नहीं देंगे। बताया जा रहा है कि सऊदी टी20 लीग में 400 मिलियन डॉलर (करीब 3442 करोड़ रुपये) का निवेश होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि इस महीने लॉर्ड्स में खेली गई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के दौरान ईसीबी और बीसीसीआई ने नई लीग का विरोध करने के लिए एकजुट होने पर सहमति जताई। दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि वे अपने खिलाड़ियों को नई प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं करेंगे। दोनो ं बोर्ड इसके साथ ही आईसीसी से उनके समर्थन को रोकने के लिए पैरवी भी करेंगे। दूसरी ओर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया लीग में सऊदी निवेशकों के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक दिखा। इस रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया से पता चली योजना के मुताबिक सऊदी अरब के एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स ने नई लीग की स्थापना के लिए 400 मिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। इसमें आठ टीमें हर साल अलग-अलग स्थानों पर चार टूर्नामेंट खेलेंगी, जिसकी तुलना टेनिस के ग्रैंडस्लैम से की जा रही है। सीए का मुख्य उद्देश्य निजी निवेशक से लाभ कमाना है क्योंकि बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी का स्वामित्व शासी निकाय और राज्यों के पास है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि आईसीसी का संचालन वर्तमान में बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह कर रहे हैं, ऐसे में इस मामले में उनके बीसीसीआई की इच्छा के विरुद्ध जाने की संभावना नहीं है।

# अपने बल्ले से क्रिकेट को नया रूप दे रहे हैं ऋषभ, पंत का मुरीद हुआ यह पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

**सिडनी एजेंसी।** चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। चैपल ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार पंत को देखा था तो उन्हें गिलक्रिस्ट की याद आ गई थी। चैपल ने कहा पंत एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने ऋषभ पंत की जमकर तारीफ की है। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में पंत के शतक के बाद चैपल ने कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहे हैं। पंत ने पहले टेस्ट में 134 (178 गेंद, 12 चौके, छह छक्के) और 118 रन (140 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) की पारियां खेलीं। इस दौरान उन्होंने कुछ रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने हालांकि यह मैच पांच विकेट से गंवा दिया।

चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। उन्होंने बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, जब मैंने पहली बार उन्हें देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गई थी। बेशक एक अलग तरह का खिलाड़ी। जब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है, आप समझ सकते हैं। उन्होंने कहा, खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाते हैं, जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उनका प्रदर्शन शानदार था। उन्होंने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उन्हें देखना रोमांचक है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि पंत क्रिकेट के मैदान पर क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उनसे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकते हैं। आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता हैं और उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगभग अंतर पैदा कर दिया था। चैपल ने कहा कि शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में अच्छी शुरुआत की, भले ही पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट में परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। उन्होंने कहा, यह एक शानदार टेस्ट मैच था। दुख की बात है कि परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहा। उनके लिए बहुत सारी अच्छी चीजें थीं।

# एवीपी फाल्कन-अखंड वॉरियर्स जीते, दोनों में सेमी फाइनल आज

**अलीगढ़।** अलीगढ़ में अमर उजाला प्रीमियर लीग का सेमी फाइनल आज खेला जाएगा, जो एवीपी फाल्कन और अखंड वारियर्स के बीच होगा। जो इसमें जीतेगी वह टीम फाइनल में विजडम वॉरियर्स से भिड़ेगी। अमर उजाला प्रीमियर लीग में 25 जून को सांगवान फाल्कन बनाम एवीपी फाल्कन और अखंड वारियर्स बनाम मंगलायतन मार्वल्स के मुकाबले हुए। इसमें एवीपी फाल्कन और अखंड वॉरियर्स की टीम विजेता बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई। पहले मैच में सांगवान फाल्कन की टीम 19.2 ओवर में 110 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दीपक चौधरी ने 14, विनय प्रजापति ने चार, हनी चौधरी ने 19, कैफ रहमान ने 20, विकास पटेल ने 22 व मोहन चौधरी ने 12 रन बनाए। ललित और आदित्य सारस्वत ने 3-3-विकेट लिए। एवीपी फाल्कन के बल्लेबाज चिराग शर्मा ने 7 चौके 6 छक्कों की मदद से 26 गेंदों में 64 रन बनाए। वसीम ने 34, विकास पटेल ने 22 रन बनाए। एवीपी फाल्कन ने 7.4 ओवर में एक विकेट पर 114 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। प्लेयर ऑफ द मैच रहे चिराग शर्मा को 2000 हजार रुपये का पुरस्कार और ट्रॉफी देकर एवीपी इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर पुष्कर राठौर ने सम्मानित किया। फाइटर ऑफ द मैच दीपक चौधरी को पुष्कर राठौर ने सम्मानित किया। मैन ऑफ द मैचदूसरा मैच अखण्ड वारियर्स और मंगलायतन मार्वल्स के बीच खेला गया। जिसमें अखण्ड वारियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए अखण्ड वारियर्स ने 20-ओवर में 6-विकेट के नुकसान पर 200-रनों का लक्ष्य रखा। बल्लेबाजी करते हुए रोहन राठी ने 9-चौके 5-छक्कों की मदद से 57-गेंदों में 90- रन बनाए, इमरान आलम ने 48, उत्कर्ष अग्रवाल ने 46 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए अजयवीर ने 3, अनुज प्रेम राजपूत ने 2, मयंक ने 2, विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलायतन मार्वल्स की टीम 15.4 ओवर में 109 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बल्लेबाज वरुन अग्रवाल ने 10, चेतन सिंह ने 5, गोपाल चतुर्वेदी ने 45, अजयवीर ने 14, मयंक शर्मा ने 4, हर्ष शर्मा ने 5, नयन भारद्वाज ने 9, प्रथम ने 2, रोहित चौधरी ने 2 और शिवम कुमार शुन्य पर आउट हो गए। इस तरहं अखण्ड वारियर्स ने यह मुकाबला 91 रनों से जीत लिया।

# भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही

**बर्लिन एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया को कप्तान टोबी मेलोन ने दूसरे हाफ में बढ़त दिलाई जिसके बाद रोहित ने 45वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। अजीत यादव ने 52वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के प्लेऑफ में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने मिला और भारत तथा ऑस्ट्रेलिया शुरुआती दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया को कप्तान टोबी मेलोन ने दूसरे हाफ में बढ़त दिलाई जिसके बाद रोहित ने 45वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। अजीत यादव ने 52वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने अंततः~ तीसरे क्वार्टर में मैच के 40वें मिनट में टोबी के मैदानी गोल से बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम हालांकि अधिक समय तक जश्न नहीं बना सकी क्योंकि पांच मिनट बाद ही रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत ने इसके बाद अंतिम क्वार्टर में अजीत के गोल से बढ़त बनाई और जीत सुनिश्चित की। पूल चरण में भारत ने मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की करारी हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराकर वापसी की। टीम को अपने अंतिम लीग मैच में स्पेन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

### कोलंबो टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश का स्कोर 220/8

# शादमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए; फर्नांडो, दिनुषा और विश्वा को 2-2 विकेट

**नई दिल्ली एजेंसी।** बांग्लादेश के श्रीलंका दौरे का दूसरा मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। बुधवार को मैच का पहला दिन है। स्टंप्स तक बांग्लादेश ने 8 विकेट पर 220 रन बना लिए हैं। तैजुल इस्लाम 9 और इबादत हुसैन 5 रन पर नाबाद हैं। श्रीलंका से असिथा फर्नांडो, सोनल दिनुषा और विश्वा फर्नांडो 2-2 विकेट ले चुके हैं। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। हालांकि टीम को पहला झटका 5 रन के स्कोर पर ही लग गया। अनमुल हक बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें असिथा फर्नांडो ने बोल्ड किया। दूसरा विकेट 43 रन के स्कोर पर गिरा। मोमिनुल हक 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें धनंजय डी सिल्वा ने आउट किया। लिटन दास (34 रन) के आउट होते ही टी-ब्रेक का ऐलान कर दिया गया। उन्हें सोनल दिनुषा ने कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 67 रनों की पार्टनरशिप को ब्रेक किया। शादमान इस्लाम 46, कप्तान नजमुल हसन शांतो 8 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो और सोनल दिनुषा 2-2 विकेट ले चुके हैं।

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। बांग्लादेश ने पांचवें दिन दूसरी पारी 285/6 के स्कोर पर डिक्लेयर कर दी। श्रीलंका को जीत के लिए 296 रन बनाने थे। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब श्रीलंका का स्कोर 72/4 था। गॉल टेस्ट में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 495 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी 485 पर ऑलआउट हुई। पांचवें दिन बारिश की वजह से मैच कई बार रुका था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 2 जुलाई और दूसरा 5 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 8 जुलाई को पल्लेकेले में होगा।

**वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम :-**

मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा।

## एआईसीएफ ने खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की

***नई दिल्ली एजेंसी।*** *एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने बुधवार को शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी वजीफा योजना (टीएनपीएसएस) शुरू करने की घोषणा की जो प्रतिभा विकास में मदद करने के लिए एक वित्तीय सहायता पहल है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। एआईसीएफ शीर्ष युवा शतरंज प्रतिभाओं के खातों में 60 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की पहली तिमाही वजीफा राशि तुरंत भेज रहा है। अप्रैल से जून के महीनों के लिए कुल 42.30 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे। अंडर-सात से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी इस योजना के लाभार्थी होंगे। नारंग ने कहा, ''यह सिर्फ एक योजना नहीं है। यह दर्शाता है कि हम भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी पर कितना गहरा विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे इतिहास में पहली बार हम 39 लड़कियों और 39 लड़कों के भविष्य में सीधे निवेश कर रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा को सफलता में बदलने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।*

# लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों से देश को वास्तविक आजादी मिली -श्री विष्णुदत्त शर्मा

## -कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाहता था, इसलिए लोकतंत्र का गला घोटा

**केंद्रीय मंत्री श्री सीआर पाटिल एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को आपातकाल दिवस पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर मीसाबंदियों का सम्मान किया एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन किया**

**-कांग्रेस देश की जनता के साथ विश्वासघात करने वाली राजनीतिक पार्टी है**

**-मोदी जी ने आपातकाल में कांग्रेस की सच्चाई को गांव-गांव पहुंचाकर जनता को जागृत किया था -श्री सी.आर. पाटिल**

**-आपातकाल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था**

**-सत्ता में नेहरू-गांधी परिवार का वर्चस्व बनाएं रखने के लिए कांग्रेस ने आपातकाल लगाया**

नगर संवाददाता

भोपाल, । केंद्रीय मंत्री श्री सीआर पाटिल एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को आपातकाल दिवस पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर मीसाबंदियों का सम्मान किया। केंद्रीय मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि देश आजाद होने के बाद लोकतंत्र का राज था। लोकशाही शासन था, लेकिन कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाहता था, इसलिए लोकतंत्र का गला घोटकर आपातकाल लगाया था। कांग्रेस देश की जनता के साथ विश्वासघात करने वाली राजनीतिक पार्टी है। संविधान का गला घोटने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता संविधान की प्रति हाथ में लेकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आपातकाल में भूमिगत होकर कांग्रेस की सच्चाई को गांव-गांव पहुंचाकर जनता को जागृत किया था। आज देश की जनता कांग्रेस पर भरोसा करना बंद कर चुकी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आपातकाल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता में वर्चस्व बनाएं रखने के लिए आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों से देश को वास्तविक आजादी मिली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत माता के गौरव को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री सी. आर. पाटिल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत प्रदेश कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया एवं आपातकाल दिवस पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। इंदिरा गांधी और कांग्रेस ने अपने निजी स्वार्थों के लिए संविधान में कई संशोधन किए-श्री सीआर पाटिलकेंद्रीय मंत्री श्री सीआर पाटिल ने कहा कि आपातकाल दिवस देश की जनता को यह याद दिलाता है कि संविधान का गला घोंटने वाली ताकतों से कैसे लड़ना चाहिए।

# भोपाल में निजी स्कूल संचालकों द्वारा फलों के से कर रहे हैं खुली लूट

विशेष संवाददाता

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शिक्षा माफिया के लोग अपने स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के पलकों से खुली लूट कर रहे हैं निजी स्कूलों के संचालक अपनी निजी दुकानों से छात्रों की ड्रेस कॉपी किताबों से लेकर दी डायरी जूते मुझे तक खरीदने के लिए जवाब डाल रहे हैं दवा भी नहीं डाल रहे इन निजी स्कूल वालों ने अपनी अपनी दुकान भी खोल रखी है इसी तरह का एक मामला भोपाल के नेहरू नगर चौराहे पर एक निजी दुकान जो संस्था ने शुरू कराई है इस संस्था का नाम नारायण स्कूल है नारायण स्कूल वालों ने इस चौराहे पर अपनी निजी एक ड्रेस कॉपी किताबें ताई और डायरी बचने के लिए खोल दिए स्कूल के संचालक द्वारा और उनके सहयोगियों द्वारा पलकों से यह कहा गया है कि बच्चों की ड्रेस किताबें कॉपी जूते टाइप से लेकर ब्लेजर तक इसी दुकान से खरीदेंगे मजे की बात है कि इस दुकान का कहीं भी कोई पंजीयन नहीं है यह आप विवेक त्रिपाठी मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता ने लगाया है प्रवक्ता ने इस मामले को लेकर कलेक्टर भोपाल से लिखित शिकायत की है और नारायण स्कूल के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने दुकान को बंद करने सहित बच्चों के पलकों की हो रही लूट को बंद करने की मांग की है कांग्रेस प्रवक्ता त्रिपाठी ने बताया है कि कलेक्टर भोपाल ने इस मामले में विधिवत एक आदेश भी जारी किया था और जिसमें कहा गया था कि कोई भी निजी स्कूल के संचालक या अन्य स्टाफ के लोग बच्चों को या उनके पालकों को किसी निश्चित जगह से किताबें कॉपी और ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं इस मामले की निगरानी रखने के लिए कमेटी भी बनाई गई थी जिसमें एसडीएम को जवाब दे अधिकारी बनाया गया था कमेटी भी है कलेक्टर के आदेश भी हैं शासन का नियम भी है लेकिन इसका पालन करने वाला कोई नहीं है कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के संरक्षण में शिक्षा माफिया मनमर्जी कर रहा है और छात्र-छात्राओं के पलकों से खुली लूट कर रहा है ऐसे लूट पर रोक लगाने की मांग त्रिपाठी ने कलेक्टर भोपाल से की है जबलपुर कलेक्टर ने तो ऐसे अनेक स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई की थी उन पर जुर्माना भी लगाया था बच्चों से अधिक फीस लेने वाले स्कूलों से फीस भी वापस कराई थी कई स्कूलों की तो मान्यता समाप्त करने के लिए भी कलेक्टर ने पत्र लिखा था लेकिन भोपाल में इस तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है जिससे शिक्षा माफिया मनमानी कर रहा है मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान की सरकार में दीपक जोशी जब शिक्षा मंत्री थे तो उन्होंने विधिवत विभाग की आदेश जारी करके पूरे प्रदेश में इस तरह निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की कार्रवाई की थी साथ यह हिदायत भी ऋतिक यदि कोई निजी स्कूल संचालक या संस्था किसी भी छात्र-छात्रा को या उसके पलक को यह बात नहीं कर सकते कि उसको किताबें इंटरेस्ट कॉपी और अन्य सामान स्कूल द्वारा बताई गई दुकान से ही खरीदना पड़ेगी अब दीपक जोशी सरकार से बाहर हैं और राजधानी भोपाल में ही नहीं पूरे प्रदेश में शिक्षा माफिया अपनी मनमानी कर रहा है मध्य प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को इस मामले को संज्ञान में लेना चाहिए और ऐसे सभी निजी स्कूलों के संचार को के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना चाहिए जो अपनी निजी दुकान खोलकर बच्चों को किताबें कॉपी से लेकर ड्रेस जूते चप्पल ताई और डायरी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं यदि निधि स्कूल संचालक सरकार की गाइडलाइन का पालन नहीं करते तो ऐसे स्कूलों की मान्यता को सरकार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर देना चाहिए

# एक सप्ताह में तीन बार शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

विशेष संवाददाता

मध्य प्रदेश से दिल्ली और मुंबई जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों पर पिछले दिनों में तीन बार पत्थर बाजी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं इन घटनाओं से ट्रेनों के शीशे टूट गए लेकिन यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है जीआरपी पुलिस ने मामला अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया और ऐसे लोगों की तलाश शुरू कर दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल के हबीबगंज रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली स्टेशन को जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस पर पिछले दिनों में तीन बार बिना और झांसी के बीच पत्थरबाजी हो गई है इस पत्थरबाजी से ट्रेन में सफर कर रहे हैं यात्रियों को मुश्किल का सामना करना पड़ा यह तो अच्छी बात है कि किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है ठीक इसी तरह की घटना ग्वालियर रेलवे स्टेशन से रायरू रेलवे स्टेशन के बीच में शताब्दी एक्सप्रेस और बंदे भारत ट्रेन के साथ हो चुकी है अभी तक इस मामले में जीआरपी पुलिस झांसी या जीआरपी पुलिस भोपाल ने किसी भी तरह की कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की है झांसी जीआरपी ने मामला दर्ज करके ऐसे लोगों की तलाश शुरू कर दी है जो लोग इन महत्वपूर्ण ट्रेनों पर पत्थर बाजी कर रहे हैं

# जुलाई में मिल सकता है भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष

नगर संवाददाता

जय सिंह चौहान मध्य प्रदेश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को जुलाई माह में नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने की पूरी संभावना है वर्तमान सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा का कार्यकाल समाप्त हुए लंबा समय हो गया है वर्तमान समय में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बीडी शर्मा भाजपा की कमान संभाले हुए हैं भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए यूं तो कई नेता कतार में है लेकिन जिन नाम पर विशेष रूप से चर्चा चल रही है भारतीय जनता पार्टी में पिछले लंबे समय से प्रदेश अध्यक्ष की कमान संसद के हाथों में रही है लेकिन इस बार शायद भारतीय जनता पार्टी की कमान मध्य प्रदेश सरकार के किसी मंत्री रहे या विधायक के हाथ में भी जा सकती है संगठन में यह भी चर्चा जोरों पर चल रही है कि हो सकता है भारतीय जनता पार्टी इस बार नया प्रयोग करते हुए किसी महिला संसद को भाजपा की कमान सौंप दे महिला सांसदों मे रीवा से भाजपा की संसद और पूर्व भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रही संसद इन दोनों में से किसी एक को मौका मिल सकता है तो वही मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री डॉ राजेंद्र शुक्ल का नाम भी प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल है इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और गद्दार विधायक गोपाल भार्गव का नाम भी इस सूची में है सूत्रों की माने तो मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी पूरी तरह से प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल है यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहता है तो सामान्य जाति के किसी व्यक्ति को अध्यक्ष का पद फिर मिल सकता है भाजपा सत्ता और संगठन में जातीय समीकरण को भी ध्यान में रखकर आने वाले प्रदेश अध्यक्ष का फैसला कर सकती है मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा का कार्यकाल नीतू काफी सफल रहा है बीडी शर्मा के कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी ने संसद के चुनाव में 29 में से 29 सिम जीती विधानसभा का चुनाव जीत और उपचुनाव में भी लगातार भारतीय जनता पार्टी को सफलता मिलती रही है इसलिए यह कहा जा सकता है कि बीडी शर्मा का उत्तर प्रदेश अध्यक्ष उनका कार्यकाल सफलताओं से परिपूर्ण रहा है

# नर्मदा पुरम में 27 से 29 तक कांग्रेस के प्रभारी करेंगे चर्चा

विशेष संवाददाता

मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन के सर्जन कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 27 28 एवं 29 जून को नर्मदा पुरम में अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के प्रभारी अजय कुमार और मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अभय सिसोदिया एवं भूपेंद्र मुहासा नर्मदा पुरम के कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे और इसके बाद यह कांग्रेस के प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे इन दोनों मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन का सृजन कार्यक्रम चल रहा है और इसी कार्यक्रम के चलते मध्यप्रदेश के सभी जिलों के कांग्रेस अध्यक्षों का चुनाव होने वाला है युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का भी चुनाव होने वाला यह तमाम सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के लिए नए अध्यक्षों के चुनावी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह बैठकर निरंतर मध्य प्रदेश के सभी जिला और संभाग मुख्यरों पर की जा रही है

### पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुआ एमओयू

# मध्यप्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाओं से खुलेंगे उन्नति के नए द्वार : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

**लखनऊ में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के भव्य रोड शो का सफलतापूर्वक समापन**

**पर्यटन व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के हितधारक हुए शामिल**

**पर्यटन मंत्री श्री धर्मेन्द्र लोधी ने प्रदेश की पर्यटन विशेषताओं से कराया अवगत**

नगर संवाददाता

भोपाल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अधोसंरचना विकास, पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देकर सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से आज मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में असीम क्षमता और निवेश का आकर्षक क्षेत्र बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल लखनऊ के होटल ताज महल में पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी क्षेत्र में तीव्र गति से विकास 3 क्रांतियों के होने से होता है। औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति। इन तीनों क्रांतियों से स्वरोजगार और रोज़गार के अवसर सृजित होते हैं। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों प्रदेश इन तीनों क्रांति के लिये सबसे उपयुक्त प्रदेश हैं। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश का सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव रहा है। हमारे रीति-रिवाज, त्यौहार, खान-पान, रिश्ते-नाते एक जैसे हैं। माँ गंगा से माँ नर्मदा तक की यह यात्रा न केवल पर्यटकों को सुखद अनुभूति प्रदान करेगी बल्कि दोनों प्रदेश के संबंधों को भी प्रगाढ़ करेगी। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश, अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक संपदा के लिए प्रसिद्ध है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति और निवेश के अवसरों पर चर्चा करते हुए, सभी को मध्यप्रदेश आने और प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया। गंगा-नर्मदा कॉरिडोर से खुलेगी पर्यटन की नई राह प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। उत्तर प्रदेश और म.प्र. के पर्यटन में काफी समानता है। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रृद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। दोनों ही ज्योर्तिलिंग को जोड़ने के लिये काशी विश्वनाथ महाकाल एक्सप्रेस संचालित होती है। गंगा और नर्मदा पर्यटन कॉरिडोर प्रस्तावित परियोजना के तहत मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर से गुजरने वाले इस गलियारे में दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटकों को एक समृद्ध और विविध अनुभव मिलेगा साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और विरासत पर्यटन को आकर्षित करने में सहयोग प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावे के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया। यह रोड शो आगामी माह में होने वाले मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट और रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव की तैयारियों के दृष्टिगत किया गया। उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग श्री मुकेश कुमार मेश्राम और ख्यात अभिनेता श्री पंकज त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्रीराम पथ गमन, श्रीकृष्ण पाथेय और बुद्ध सर्किट के अनुसंधान और विकास की दृष्टि से मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच एमओयू किया गया।

# युवा मोर्चा आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 'मॉक पार्लियामेंट' का करेगा आयोजन

**मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री, मोर्चा के प्रदेश प्रभारी होंगे शामिल**

नगर संवाददाता

भोपाल, । भारतीय जनता युवा मोर्चा कांग्रेस द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र पर हुए हमले की स्मृति में पूरे देश में मॉक पार्लियामेंट्स (युवा संसद) आयोजित करने जा रहा है। 27 जून शुक्रवार को प्रातः 11 बजे, नगर निगम सभागार, आईएसबीटी बस स्टैंड भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी एवं युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी श्री रोहित चहल की उपस्थिति में मॉक पार्लियामेंट आयोजित की जा रही है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने बताया कि यह आयोजन संसद जैसी संरचना और प्रक्रिया पर आधारित होगा, जिसमें भोपाल संभाग के युवा छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। पूरी गतिविधि संसद की कार्यवाही की तरह संचालित की जाएगी, जिसमें युवा प्रतिनिधि सांसदों की भूमिका में होंगे और विचार-विमर्श करेंगे।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355